मध्य प्रदेश बजट 2021-22

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 04, अंक 14 | ग्वालियर बुधवार 3 मार्च 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

प्रगति पथ पर ले जाना वाला बजट

भोपाल।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश का आज विधानसभा में प्रस्तुत बजट प्रदेश को प्रगति पथ पर ले जाएगा। मध्यप्रदेश तेज गति से आत्म-निर्भरता के मार्ग की तरफ बढ़ेगा। गत वर्ष की तुलना में नए वित्त वर्ष में पूँजीगत व्यय में 42 प्रतिशत की वृद्धि, आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के लिए नौ नए मिशन और नागरिकों के जीवन को आसान बनाने वाले बुनियादी क्षेत्रों में आवश्यक सुविधाओं के लिए पर्याप्त राशि का प्रावधान इस बजट की विशेषता है। यह बजट %सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे संतु निरामया% के ध्येय वाक्य को क्रियान्वित करने का माध्यम है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आज पेश हुए मध्यप्रदेश के बजट को जन-आकांक्षाओं और अपेक्षाओं का प्रतीक मान सकते हैं। यह बजट सरकार के विजन और मिशन का प्रतिबिम्ब है। इससे कोरोना काल की विपरीत परिस्थितियों के बाद क्षतिग्रस्त हुई अर्थ-व्यवस्था को पुनः खड़ा कर आम लोगों का हित संवर्धन सुनिश्चित होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्म-निर्भर भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिये आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश का संकल्प सितम्बर 2020 में लिया गया था। मध्यप्रदेश में आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप का निर्माण किया गया। जनता के सुझाव प्राप्त किए गए। अधोसंरचना, स्वास्थ्य एवं शिक्षा, अर्थ-व्यवस्था एवं रोजगार को आधार बनाया गया। इन प्राथमिकताओं के अनुसार दीर्घ अवधि की दृष्टि से बजट का निर्माण किया गया है।

- ▶▶ नौ नए मिशन देंगे मध्यप्रदेश के विकास को गति
- ▶▶ आत्म निर्भर मध्यप्रदेश पर आधारित है बजट
- ▶▶ नागरिकों के जीवन को आसान बनाने के लिए किए गए अनेक प्रावधान

अन्य प्रमुख विशेषताएँ

- ▶▶ ओंकारेश्वर में विश्व के सबसे बड़े फ्लोटिंग ▶▶ सोलर पावर प्लांट और 6 जिलों में नये सोलर पार्क के लिए बजट।
- ▶▶ 65 लाख हेक्टेयर की सिंचाई क्षमता बढ़ाने के लिए बजट।
- ▶▶ पुलिस में चार हजार और शिक्षकों के लिए 24 हजार पदों पर भर्ती का निर्णय।
- ▶▶ पाँच विकासखंडों में कक्षा 9 से 12वीं के विद्यार्थियों को स्कूल के लिए परिवहन व्यवस्था का पायलट प्रोजेक्ट।
- ▶▶ चंबल प्रोग्रेस-वे और नर्मदा एक्सप्रेस-वे के निर्माण के लिए बजट।
- ▶▶ प्रधामनंत्री ग्राम सड़क योजना और मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना में 6 हजार किलोमीटर से अधिक सड़कों के निर्माण का लक्ष्य।
- ▶▶ शहरी क्षेत्रों के लिए भी जल-जीवन मिशन।
- ▶▶ 13 जिलों में 86 स्थानों पर वन धन केन्द्र का विकास।
- ▶▶ 3 विमुक्त विशेष पिछड़ी जनजातियों बैगा, सहरिया और भारिया की 38 आश्रम शालाओं में पायलट बेसिस पर प्री-प्रायमरी कक्षाओं का संचालन।
- ▶▶ मुख्यमंत्री स्व-रोजगार ब्याज परिदान योजना प्रारंभ होगी।
- ▶▶ इज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए %स्टार्ट योर ▶▶ बिजनेस इन थर्टी डेज% पर तेजी से अमल प्रारंभ होगा।
- ▶▶ 50 बिस्तर का पुलिस चिकित्सालय बनेगा।
  पन्ना में डायमंड म्यूजियम बनेगा।
- ▶▶ छतरपुर जिले में जटाशंकर पर रोप-वे का निर्माण होगा।
- ▶▶ भोपाल गैस पीड़ितों के लिए केन्द्रीय पेंशन योजना समाप्त हो जाने के फलस्वरूप मध्यप्रदेश सरकार अपने बजट से पेंशन की व्यवस्था करेगी।
- ▶▶ प्रदेश में 9 नए मेडिकल कॉलेजों के लिए मंजूरी।
  संबल योजना पुनः प्रारंभ की गई है।
- ▶▶ छोटे और सीमांत किसानों को वर्ष में 10 हजार रूपए की राशि मिलेगी। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के साथ ही मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना का लाभ भी प्राप्त होगा।

बहनों और बेटियों के लिए सौगात है बजट

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि यह बजट बहनों और बेटियों के लिए सौगात लेकर आया है। हर ग्राम पंचायत में एक राशन की दुकान खुलेगी और एक तिहाई दुकानें महिलाएँ संचालित करेंगी। हर जिले में महिला पुलिस थाना प्रारंभ होगा। बजट में लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत 900 करोड़ रूपये से अधिक के प्रावधान सहित महिलाओं के लिए कुल 10 हजार करोड़ से अधिक की राशि का प्रावधान राज्य सरकार के महिला कल्याण के लक्ष्य का परिचायक है।

बजट की बड़ी विशेषताएँ

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश के बजट में गत वर्ष से 22 प्रतिशत अधिक राशि है। वर्ष 2021-22 में मध्यप्रदेश का जीएसडीपी 10 लाख करोड़ रूपये के पार पहुँच सकता है, जो एक कीर्तिमान होगा। राजकोषीय घाटा, राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का 4.5 प्रतिशत है। इसे अगले तीन वर्ष में और घटाकर 3 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य है। राजस्व घाटा राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का 0.73 प्रतिशत है। इसे भी अगले 3 वर्ष में घाटे से आधिक्य में बदलने का लक्ष्य है। गत 11 माह में सरकार द्वारा उठाए गए सुधारात्मक कदमों के कारण भारत सरकार से 19 हजार 353 करोड़ रूपये के अतिरिक्त वित्तीय संसाधन प्राप्त हो रहे हैं। बजट में किसी प्रकार के नए कर प्रस्तावित नहीं है और न ही किसी भी कर की दर को बढ़ाया गया है।

गरीब कल्याण और जन-कल्याण पर फोकस

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि गरीबों के कल्याण और आमजन के कल्याण के लिए बजट में समुचित प्रावधान हैं। संबल के अंतर्गत हितग्राही लाभान्वित होंगे। संबल में 600 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना में 3,200 करोड़ रूपये, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना में 602 करोड़ रूपये, सीएम राइज स्कूल के लिए 1,500 करोड़ रूपये, अन्नपूर्णा योजना में 400 करोड़ रूपये, जल-जीवन मिशन के तहत घर-घर तक नल से जल पहुँचाने के कार्यों के लिए 5,762 करोड़ रूपये, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के लिए 3,035 करोड़ रूपये, लाड़ली लक्ष्मी योजना में 922 करोड़ रूपये, अटल कृषि ज्योति योजना में 4,592 करोड़ रूपये, नये मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए 300 करोड़ रूपये, उच्च शिक्षा में सुधार के लिए 400 करोड़ रूपये, प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए 2,500 करोड़ रूपये, सड़क, पुल निर्माण के लिए 5,739 करोड़ रूपये, व्यवसायिक कौशल प्रशिक्षण के लिए 397 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है।

किसान-कल्याण

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कृषि अर्थ-व्यवस्था का आधार है। कृषकों को अल्पकालीन ऋण पर ब्याज अनुदान के लिए 1000 करोड़ रूपये का बजट प्रावधान किया गया है। नई मुख्यमंत्री कृषक फसल उपार्जन सहायता योजना प्रारंभ होगी। इसी तरह प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत 2,220 करोड़ रूपये की राशि बजट में रखी गई है।

शहरों को मिलेगा नया स्वरूप

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बजट में स्मार्ट सिटी के अंतर्गत शहरों के विकास और सौन्दर्यीकरण पर 900 करोड़ रूपये की राशि खर्च की जाएगी। मेट्रो रेल सुविधा बढ़ाने के लिए 262 करोड़ रूपये की राशि खर्च होगी। आपदा प्रबंधन और राहत के लिए 1680 करोड़ रूपये का बजट प्रावधान किया गया है।

भारत का लक्ष्य 2030 तक 23 जलमार्गों का संचालन करना है: पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मैरीटाइम इंडिया समिट 2021 का उद्घाटन किया। डेनमार्क के परिवहन मंत्री बेनी एंगलब्रेच, गुजरात और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और मनसुख मंडाविया भी इस अवसर पर उपस्थित थे। पीएम मोदी ने विश्व को भारत में आने और भारत की विकास गति का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि भारत समुद्री क्षेत्र में प्रगति के लिए बहुत गंभीर है और विश्व की एक अग्रणी ब्लू इकोनॉमी के रूप में उभर रहा है। बुनियादी ढांचे के उन्नयन, सुधार यात्रा को बढ़ावा देने जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत का लक्ष्य आत्मनिर्भर भारत के विजन को मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा कि थोड़ी-थोड़ी पहुंच के बजाए पूरे क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रमुख बंदरगाहों की क्षमता जो 2014 में 870 मिलियन टन थी उसे बढ़ाकर अब 1550 मिलियन टन कर दिया गया है। भारतीय बंदरगाहों में अब डाइरेक्ट पोर्ट डिलीवरी, डाइरेक्ट पोर्ट एंट्री और उन्नत पोर्ट कम्युनिटी सिस्टम (पीसीएस) जैसे उपाए किए गए हैं ताकि डेटा का सरल प्रवाह रहे। हमारे बंदरगाहों में आनेवाली और बाहर जाने वाली कार्गो के लिए प्रतीक्षा समय कम कर दिया है। उन्होंने कहा कि वधावन पारादीप और कांडला में दीनदयाल बंदरगाह में विश्व स्तरीय

गुजरात निकाय चुनाव

बीजेपी की बड़ी जीत

नई दिल्ली। गुजरात निकाय चुनाव में बीजेपी ने बड़ी जीत हासिल की है. वहीं कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है. कांग्रेस के खराब प्रदर्शन के बाद अब गुजरात प्रदेश के पार्टी अध्यक्ष अमित चावड़ा ने इस्तीफा देने का एलान किया है. अमित चावड़ा प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस्तीफे का आधिकारिक एलान करेंगे. दोपहर दो बजे तक के आंकड़ों के मुताबिक, कुल 8473 सीटों में से अब तक 2,771 सीटों पर परिणाम की घोषणा हुई है. इनमें से 2,085 सीटों पर बीजेपी ने वहीं 602 सीटों पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की है. आम आदमी पार्टी ने 15 और बहुजन समाज पार्टी ने पांच सीटों पर जीत दर्ज की है. 237 उम्मीवार निर्विरोध जीते हैं. 42 निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी जीत हासिल की है. 8473 सीटों नगरपालिकाओं की 2720 सीटें, जिला पंचायतों की 980 सीटें और तालुक पंचायतों की 4773 सीटें शामिल हैं. सभी सीटों पर रविवार को वोट डाले गए थे. नगर निकायों में 58.82 फीसदी मतदान हुआ था, वहीं जिला पंचायतों में 65.80 फीसदी और तालुका पंचायतों में 66.60 फीसदी मतदान हुआ था. नगर पालिकाओं में बीजेपी ने अब तक 803 सीटें और कांग्रेस ने 159 सीटें जीती हैं.

दिल्ली के हार्ट एंड लंग इंस्टीट्यूट वैक्सीन लेंगे स्वास्थ मंत्री हर्षवर्धन

नई दिल्ली । केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन कोरोना वैक्सीन ले सकते हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया गया कि स्वास्थ्य मंत्री दिल्ली हार्ट एंड लंग इंस्टीट्यूट में शॉट लेने जा रहे हैं। हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने देश की कोविड -19 लड़ाई हर्षवर्धन ने बताया कि सरकार की तरफ से यह सुनिश्चित किया गया है कि कोरोना के टीके की कीमतें उन लोगों के लिए भी नाममात्र की रहें, जो प्राइवेट हेल्थ केयर फेसिलिटी में इसे लेना चाहते थे। प्राइवेट हेल्थ केयर फेसिलिटी ने कोविड -19 टीकाकरण की लागत को इस स्तर तक कम कर दिया है। और परिणाम देखें - हम सफलतापूर्वक 250 रुपये प्रति खुराक की उचित दर पर टीके लगा रहे हैं। हालांकि यह निजी अस्पतालों पर छोड़ दिया गया है कि वे और कम राशि में टीके लगा सकते हैं, लेकिन यह 250 रुपये से अधिक नहीं हो सकता। निश्चित ही आने वाले दिनों में टीकाकरण की गति बढ़ेगी। आपको यह समझना चाहिए कि भारत सरकार ने इस देश के लगभग प्रत्येक नागरिक को टीका लगाने का निर्णय लिया है।

प्रियंका बागान में तोड़ी चाय की पत्तीयां

दिसपुर। असम विधानसभा चुनाव 2021 में कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करने के लिए पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा असम के दो दिनों के दौरे पर हैं। मिशन असम के तहत दूसरे दिन मंगलवार को वह राज?य के सधारू टी स?टेट पहुंचीं, जहां उन?होंने चाय बागान मजदूरों से मुलाकात की और महिलाकर्मियों के साथ बागान में पारंपरिक रूप से चाय की पत्तियां तोड़ीं। ज्ञात हो कि हर चुनाव में असम के चाय बागान और मजदूर चुनावी मुद्दा बनते हैं। सभी सियासी दल उन्हें आकर्षित करने के लिए तरह-तरह से प्रयास करते हैं।

कोरोना संक्रमण के चलते दिल्ली में चल रहा था इलाज

मध्य प्रदेश के खंडवा से सांसद नंदकुमार सिंह चौहान का निधन

भोपाल।

खंडवा से भाजपा के सांसद नंदकुमार सिंह चौहान का दिल्ली के मेदांता अस्पताल में निधन हो गया है, वे पिछले कुछ दिनों से कोरोना से संक्रमित थे। लेकिन, उनकी रिपोर्ट नेगेटिव आने के बावजूद उनकी हालत बिगड़ गई थी। उनकी खराब हालत को देखते हुए उन्हें दिल्ली ले जाया गया था। चौहान मध्य प्रदेश बीजेपी के अध्यक्ष भी रहे हैं।

दिल्ली से नंद कुमार सिंह चौहान का पार्थिव शरीर आज ही दोपहर 2 बजे खंडवा लाया जाएगा। यहां प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी पहुंचेंगे। खंडवा से पार्थिव देह को बुरहानपुर ले जाया जाएगा, नंद कुमार सिंह चौहान को उनका अंतिम विदाई बुरहानपुर में दी जाएगी। सासद चौहान के बेटे हर्षवर्धन सिंह चौहान ने पिता के निधन की पुष्टि की है। गौरतलब है कि नंद कुमार सिंह चौहान 16वीं लोक सभा के सदस्य हैं और वे मध्य प्रदेश के खंडवा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। नंदू भैया नाम से चर्चित चौहान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं और भोपाल के 74 बंगला स्थित बंगले में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के पड़ोसी हैं। इससे पहले जब सांसद नंदकुमार सिंह चौहान की रिपोर्ट कारोना पाजिटिव आई थी और हालत बिगडने लगी थी तो पिछले कुछ दिनों से मंदिरों में महामृत्युंजय का भी पाठ किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

गायों को भूख प्यास एवं पॉलिथीन खाने से मरते देख थाना परिसर में बना दी गौशाला

आलमपुर(अर्पित गुप्ता) पुष्पांजली टुडे

थाना प्रभारी कमल कांत दुबे ने नगर में गायों की दुर्दशा के दुखद हालात देखें भूख प्यास से एवं पॉलिथीन आदि नुकसानदायक खाद्य सामग्रियां खाकर गायों की मौत की हृदय विदारक घटना देखी तो प्रशासन एवं समाज के भरोसे ना रहकर खुद गायों को बचाने के लिए संकल्प लिया अपने थाने के स्टाफ एवं नगर के समाजसेवियों के सहयोग से खेतों में जाकर हरा चारा लाने से लेकर सैकड़ों भूखी प्यासी गायों को अपने हाथ से डालकर खिलाने एवं देखरेख व्यवस्था का कार्य थाना परिसर में प्रारंभ किया पिछले कई वर्षों से प्रशासन और समाज की अनदेखी का शिकार होकर दर-दर भटक रही भूख प्यास से व्याकुल गौ माता को अब थाना परिसर आलमपुर में प्रतिदिन नियमित समय पर भूसा चारा एवं पीने के लिए पानी मिल रहा है थाना प्रभारी जी का उन शासन प्रशासन के जिम्मेदार लोगों के लिए प्रेरणा दाई सबक है जिनकी अनदेखी के कारण गौमाता दुर्दशा का शिकार हो रही है थाना प्रभारी जी कहते हैं कि नगर की भूखी प्यासी गायों की सेवा के लिए भगवान मुझे माध्यम बना रहा है जब तक आलमपुर नगर में पदस्थ रहूंगा नगर की समस्त बेसहारा गायों की यथासंभव सेवा निरंतर करता रहूंगा।

बकरी चरा रही महिला के ऊपर जानलेबा हमला100 डायल ने महिला को पहुँचाया स्वास्थ केंद्र

दबोह(अर्पित गुप्ता) पुष्पांजली टुडे

दबोह थानांतर्गत ग्राम फरदुआ मे बकरी चरा रही महिला के ऊपर दोप.में एक युबक और उसकी पत्नी उस समय हमला कर दिया जब वह हार में अपनी बकरी चरा रई थी घायल महिला ने बताया कि जानलेवा हमला कर दिया घायल महिला रामश्री पत्नी दुन्ना के परिजनों ने बताया की फरदुआ के हार में बकरियों को चराने गए थे तभी ब्राहारी पुत्र लक्ष्मण पाल और उसकी बहु ने मुझे पटक दिया और मारने लगे,मेरे दाहिने हाथ मे धारदार हथियार से हमला कर दिया,जिसके बाद परिजनों द्वारा 100 डायल की सहयता लेकर घायल महिला को स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया गया जहा उसका प्राथमिक उपचार किया गया महिला के दाहिने हाथ में गम्भीर चोट होने के कारण करीब 6 टाके भी तथा हाथ की हड्डी टूट जाने की बहज से ग्वालियर रैफर कर दिया,दबोह पुलिस ने धारा 323,294 तहत मामला दर्ज कर विवेचना में ले लिया।

बाइक चालक ने साइकल सवार को मारी टक्कर तीन घायल

दबोह(अर्पित गुप्ता) पुष्पांजली टुडे

बाइक सवार ने साइकल सवार को मारी टक्कर तीन घायल।दरअसल मामला दबोह क्षेत्र का है जहां पर अमाहा के पास खेत पर जा रहे पति पत्नी को मोटरसाइकिल चालक ने टक्कर मार दी।यहां बता दें कि दबोह अमाहा रोड निवासी सुनीता व बलराम राठौर अपने खेत पर साइकल से जा रहे थे तभी सामने से दबोह की ओर से आ रहे मोटरसाइकिल सवार श्याम करण निवासी गुशिया कोंच जिला जालोन उप्र ने साइकल में टक्कर मार दी जिसकी वजह से खेत पर जा रहे पति पत्नी समेत मोटरसाइकिल चालक भी घायल हो गया।जिसके बाद से घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने डायल 100 को कॉल कर सूचित किया।मौके पर पहुंचकर डायल 100 चालक अरविंद व होमगार्ड राममिलन यादव ने घायलो को दबोह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया और उनका उपचार कराया।फिलहाल तो सुनीता व बलराम को ज्यादा चोटे आई हैं जिसकी वजह से उन्हें दबोह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से रैफर कर दिया गया है।

समाज सेवियों ने रोड ठेकेदार के मनमाने रबैये को लेकर लहार एस.डी.एम को सौंपा शिकायती आबेदन अगर सुनबाई नही हुई तो लेंगे कोर्ट की शरण

लहार(अर्पित गुप्ता) पुष्पांजली टुडे

समाजसेवियों ने नगर के वार्ड नम्बर 1 पचपेड़ा तिराहे से लेकर पंचम सिंह बाबा की बगिया पर नाला निर्माण कर उसके ऊपर सत्रह फुट ऊंची दीबाल सौन्दर्यी करण के नाम पर लगाकर भोले भाले लोगो को घर मे पैक किये जाकर परेशान करने की योजना बनाई गई है जिसको लेकर आज धनकुंवर उर्फ गुलाबरानी,श्यामबिहारी शर्मा,भूरीबाई,ममता देवी,गोविंददास शर्मा,दयाराम शर्मा मुकुटबिहारी चतुर्वेदी, सीतादेवी,आज्ञाराम मिश्रा,सुरेश उपाध्याय,द्वारा नगर के समाजसेवियों के साथ लहार एस.डी.एम आर.ए प्रजापति को शिकायती आबेदन सौंपा ओर न्याय की गुहार लगायी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार जी का हजारों कार्यकर्ताओं के साथ शिवराज गोकुल सिंह परमार ने किया भव्य स्वागत ।

रिपोर्टर संतोष सिंह भदौरिया पुष्पांजली टुडे

भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार जी के ग्वालियर प्रवास के दौरान भिंड के हजारों कार्यकर्ताओं के साथ शिवराज गोकुल सिंह परमार और मित्र मंडल द्वारा साफा बांधकर एवं तलवार भेंट कर ग्वालियर चंबल की धरा पर स्वागत किया गया और अनुरोध किया कि ग्वालियर चंबल की माटी ने श्रीमंत राजमाता, अटल जी, नरेंद्र सिंह तोमर और प्रभात झा जैसे कोहिनूर भारतीय जनता पार्टी और इस देश की सेवा के लिए दिए हैं और आगे भी सभी युवा कार्यकर्ता प्राण प्रण से भारतीय जनता पार्टी की नीतियों का समाज के अंतिम छोर तक प्रचार प्रसार कर हिंदुत्व और एकात्म मानववाद के संदेश को जन-जन तक पहुंचाएंगे वैभव भैया ने मुखर्जी भवन में आयोजित बैठक में सभी को संबोधित किया और माननी स्वर्गीय दीनदयाल उपाध्याय जी और राजमाता को एवं अटल जी को नमन किया और चंबल की धरा के सभी कार्यकर्ताओं को आश्वस्त किया कि यह धरा बलिदानी धरा है इसने राजमाता और अटल जी जैसे कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी को दिए हैं और उन्होंने हमेशा ही एकात्म मानववाद और समाज के अंतिम छोर के कार्यकर्ता की चिंता की है । आदरणीय प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत में पुष्पेंद्र भदौरिया (बंटू) रूप सिंह परमार बृजेंद्र सिंह परमार गौरव यादव रिंकू गुर्जर अनिल बघेल मुख्य रूप से उपस्थित रहे

ग्वालियर आदर्श रॉयल ने भोपाल वारियर्स को हराया बना चैंपियन

ग्वालियर(अर्पित गुप्ता)पुष्पांजली टुडे

रविवार देर रात तक चले डे-नाइट मैच में ग्वालियर आदर्श रॉयल ने अपनी ही धरती पर भोपाल वारियर्स को हराया क्रिकेट प्रीमियर लीग में जेसीआई जोन 6 की पुरुषों की 12 टीमों और महिलाओं की 2 टीमों ने हिस्सा लिया। महिलाओं की दो टीमों के बीच हुई भिड़ंत में जोन डूढ़ क्वींस ने जेसीआई प्रियदर्शनी मणिकर्णिका को हराकर चैंपियनशिप पर कब्जा कर लिया। जोन 11 क्वींस कि प्रियाशा गुप्ता को मैन ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया। क्रिकेट प्रीमियर लीग का उद्घाटन पुलिस अधीक्षक अमित सांघी और नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने किया फाइनल मुकाबले मै आदर्श रॉयल ने पहली पारी मै 8 ओवर में 108 रन बनाए जिसके जवाब मै भोपाल वॉरियर्स को मात्र 65 रनो से ही संतोष करना पड़ा। समापन समारोह के मुख्य अतिथि ग्वालियर पूर्व के विधायक डॉ सतीश सिकरवार एवं मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण शर्मा ने विजेता एवं उपविजेता को पुरुष्कृत किया कार्यक्रम मै सी ओ सी केशव वैश्य, प्रोग्राम कन्वीनर संदीप जैन एवं प्रतीक जैन होस्ट अध्यक्ष विवेक खंडेलवाल होस्ट सचिव कपिल मुद्गल, फाउंडर अध्यक्ष विजेता सिंह चौहान मेंटोर अंजली बत्रा विशेष रूप से मौजूद रहे क्रयाक्रम के चेयरमैनशिप अजीत गुप्ता एवं आभार मंडल सचिव दीपक बत्रा ने दिया

स्वच्छता को बनाए अपनी आदत-

निगमायुक्त साइक्लोथोन स्वच्छ ग्वालियर यात्रा का आयोजन

ग्वालियर(अर्पित गुप्ता) पुष्पांजली टुडे

शहर साफ और स्वच्छ बनेगा तो हम देश में प्रथम स्थान पर आ सकते हैं।लेकिन इसके लिए हम सबको मिलकर शहर को साफ और स्वच्छ रखने के लिए प्रण करना होगा यह बात निगमायुक्त शिवम वर्मा ने कही।उन्होंने कहा कि कचरा सड़क पर ना फेंके कचरा डोर टू डोर वाहन में ही डालें साथ ही टॉयलेट सड़क पर न करें,टॉयलेट में ही करें तभी हम अपने शहर को स्वच्छता में प्रथम स्थान दिला सकते हैं। शहर के नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने एवं स्वच्छ भारत अभियान मिशन से जुड़ने के लिए रोट्रेक्ट क्लब ऑफ ग्वालियर रीगल द्वारा नगर निगम ग्वालियर एवं शहर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, महाविद्यालय एवं विद्यालयों के सहयोग से स्वच्छता अभियान को ध्यान में रखते

हुए साइक्लोथोन स्वच्छ ग्वालियर यात्रा का आयोजन किया गया।रैली को निगमायुक्त श्री शिवम वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साईक्लोथोन रैली में वी आर जी कॉलेज, साइंस कॉलेज, एम एल बी कॉलेज, अमेटी यूनिवर्सिटी, आईटीएम यूनिवर्सिटी, एम आई टी एस कॉलेज की एन एस एस ओर एन सी सी, एमपी व्हीलचेयर क्रिकेट टीम, नेहरू युवा केंद्र , रिलायंस फाउंडेशन , दिव्यांशी फाउंडेशन , भारत विकास परिषद , आई एन एस एमपी , पुरुषोत्तम बिहार संस्था , रोटरी क्लब, बजरंग सेवा, स्वीट होम क्लब, माधव महाविद्यालय, एक्सीलेंट स्कूल मुरार के सहयोग से स्वच्छता का संदेश देते हुए साईकल रैली निकाली।

नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा ने इस अवसर पर कहा कि निगम के कर्मचारी पूरे शहर को साफ नही कर सकते इसके लिए हम सभी की भूमिका महत्वपूर्ण है। हमारा प्रयास रहना चाहिए कि हम आमजन को स्वच्छता के प्रति आदत डालने का कार्य करें। जिससे हमारा शहर स्वच्छता में प्रथम स्थान ला सके । साईकल रैली में शामिल हुए सभी युवाओ को स्वच्छता का कैप व लोगो पहना कर उनका स्वागत किया। साथ ही साईकल रैली में सहयोग देने वाली संस्थाओं का सम्मान स्वच्छता का प्रमाण पत्र देकर किया और सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई। यात्रा याना बाइसिकल स्टैंड से शुरू होकर बाल भवन पर समाप्त हुई।इस अवसर पर अपर आयुक्त श्री नरोत्तम भार्गव, श्री पवन दीक्षित,क्लब अध्यक्ष आकाश बरुआ सहित बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया।

कोविड-19 के वैक्सीन के बारे में जानकारी कार्यक्रम आयोजित

पुष्पांजली टुडे सांचोर

कोविड-19 के टीकाकरण के तहत ग्राम पंचायत चितलवाना में कोविड-19 के तहत जानकारी दी गई। जिसमें सभी 45 वर्ष ऊपर के व्यक्ति व महिलाओं को जो लंबी बीमारी के कारण दवाई ले रहे हैं। उस व्यक्तियों व महिलाओं ने 40 साल से 59 साल के पुरुष व महिलाओं को टीकाकरण किया जाएगा। 60 साल से ऊपर के पुरुष व महिला को टीकाकरण चितलवाना सीएससी में किया जा रहा है ,जिसमें ग्राम पंचायत चितलवाना में कोविड-19 के वैक्सीन के बारे में जानकारी का कार्यक्रम रखा कर जानकारी दी गई जिसमें विकास अधिकारी जगदीश विश्नोई व सीडीओ मंगलाराम,सरपंच प्रेमा बिश्नोई वाइफ ऑफ जगदीश गोदारा, बी सी एम सी ओ पी आर बॉस एवं चिकित्सा अधिकारी विजेंद्र सिंह, जोगाराम राजपुरोहित, ग्राम विकास अधिकारी अशोक, पंचायत सहायक राकेश कुमार देवाराम, ग्राम के सभी वार्ड पंच बीएलओ आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहयोगिनी मौजूद थे।

अपराधियों के लिए मुसीबत बने अम्बाह थाना प्रभारी योगेन्द्र सिंह जौदान

अपराधों पर लगाम कसने की तैयारियों में अम्बाह पुलिस की ताबड़तोड़ कार्यवाही

केशब पडित अम्बाह. पुष्पांजली टुडे

अम्बाह नगर व गॉव क्षेत्र में अपने पैर पसार रहे अपराध पर अब अम्बाह पुलिस लगाम कसती नजर आ रही है मात्र चार महीने में ही अम्बाह पुलिस थाने में गुना से आये थाना प्रभारी योगेन्द्र सिह जादौन अपराधियों के लिए मुसीबत बन गए हैं। दरअसल, आपको बता दें कि अम्बाह थाना प्रभारी योगेन्द्रसिंह जौदान ने अम्बाह थाने का पदभार संभालते ही शहर में वाहनों के चैकिंग पांइट व रात्रि में पुलिस का गस्त बड़ गया है जिससे रेत माफिया व शराब माफियो पर जैसे ही कारबाही दिखी बैसे माफिया भूमिगत होगये शराब माफिया भाग गये गॉव हुए

आबाद और श्री जादौन के आदेश पर कोचिंग सेंटरों के बाहर खड़े होकर मनचले व अपराधिक कृत्यों के लोग जो कोचिंग पड़ने वाली छात्राओं के साथ छेड़छाड़ करने की वारदात को अंजाम देते हैं उनके विरूद्ध कार्यवाही को अंजाम दिया जा रहा हैं अम्बाह थाना प्रभारी खुद की मौजूदगी में प्रतिदिन कोचिंग सेन्टरों के बाहर खड़े मनचलों के प्रति सख्त हो गए हैं और चैकिंग प्वांइट लगाकर कार्यवाही कर रहे हैं और थाना प्रभारी ने कोचिंगों पर पड़ने वाली छात्राओं को अपना नम्बर उपलब्ध कराया है और उन्हें सीधे खुद तक शिकायत करने के लिए जागरूक किया है। दरअसल, शहर में इससे पहले पुलिस प्रशासन की लापरवाहियों के चर्चे होते थे लेकिन थाना प्रभारी योगेन्द्र सिह जोदौन के पदभार संभालनें पर शहर भर में लोग अब राहत में हैं और पुलिस की तारीफों के पुल बांध रहे हैं, पूर्व में पुलिस शहरभर में शांत वातावरण में थी लेकिन टीआई जादौन ने अपने पुलिस अधिकारियों को सख्त आदेश दिए हैं कि अपराधों को बढ़ावा देने वाले अपराधियों को बकसा नहीं जायेगा। तभी से शहर में चैराहों पर पुलिस के चैंकिंग प्वांइट और रात्रि के समय गस्त बढ़ गया है। जिससे लोगों ने अब चैन की सांस ली है। अम्बाह टीआई ने बताया कि में जनसेवक हूं और जनता की सेवा करना मेरा परम कर्तव्य है शहर में अपराधियों के प्रति बिल्कुल भी नरमी नहीं बरती जायेगी

श्योपुर के द ब्लड आयरन मैन महावीर गुप्ता 37वी बार किया रक्तदान

विनोद पाठक पुष्पांजली टुडे

श्योपुर रक्तदान जागरूकता अभियान के संस्थापक सदस्य महावीर गुप्ता ने आज 37वीं बार रक्तदान करके जिले में सर्वाधिक बार रक्तदान के अपने ही रिकार्ड को तोड़ा अपने अनुज स्व.मुकेश गुप्ता के असामायिक निधन के पश्चात उनकी प्रथम पुण्यतिथि पर 2005 में आयोजित प्रथम रक्तदान शिविर से नियमित रक्तदान करने वाले महावीर गुप्ता पिछले पांच वर्षों से हर तीन महीने में स्वैच्छिक रक्तदान कर रहे हैं आज 90 दिन पूरे होने पर रक्तदान जागरूकता अभियान की टीम के साथ ब्लड बैंक में पहुंच कर उन्होंने 37वीं बार रक्तदान किया रक्तदान जागरूकता टीम द्वारा इस अवसर पर माला और प्रशस्तिपत्र देकर उन्हे सम्मान दिया उनके साथ ही ग्राम प्रेमसर निवासी मुकेश सिंह ने भी स्वैच्छिक रक्तदान किया इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ.आरबी गोयल, अरुण ओसवाल, डॉक्टर खेमचंद जैन, धर्मसिंह चौधरी, दिनेश साहू, नकुल जैन,संजय मंगल,आशु पारेता आदि मौजूद थे ।

समाधान दिवस का आयोजन

जगदीश मउरानीपुर पुष्पांजली टुडे

मऊरानीपुर तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुआ, समस्याओं को लेकर आये 122 प्रार्थना पत्र मौके पर 4 का हुआ निस्तारणजानकारी के अनुसार मऊरानीपुर तहसील सभागार में उपजिलाधिकारी अंकुर श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 122 प्रार्थना पत्र आए। जिसमें से 4 प्रार्थना पत्रों का ही मौके पर निस्तारण किया गया। समाधान दिवस में अधिकतर मामले आवास, पेंशन, अवैध कब्जा, पानी, विजली, कृषि बीमा जैसी समस्याएं छायी रही। इस मौके पर तहसीलदार वंदना कुशवाहा, पुलिस क्षेत्राधिकारी मनीष चंद सोनकर सहित अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

युवा नेता राव साहब गुर्जर के नेतृत्व में प्रदेशाध्यक्ष का हुआ जोरदार स्वागत

कॉंग्रेस के पास नहीं कोई काम तो निकाल रहे साइकल रैली

दबोह(अर्पित गुप्ता) पुष्पांजली टुडे

कॉंग्रेस के पास कोई काम नही बचा इसलिए वह साइकल रैली व अन्य आंदोलन कर रही है यह बात दबोह नगर में प्रथम आगमन पर पधारे भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष भगत सिंह कुशवाह ने कही।यहां बता दें कि भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष बनने के बाद भगत सिंह कुशवाह का दबोह नगर में प्रथम आगमन था जिस दौरान वह दबोह युवा नेता भाजपा मंडल महामंत्री राव साहब गुर्जर के गृह निवास पहुँचे।जिस दौरान राव साहब गुर्जर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रदेशाध्यक्ष का जोरदार स्वागत किया।प्रदेशाध्यक्ष ने युवा नेता के गृह निवास पहुंचकर भाजपा कार्यकर्ताओं से भेंट की।इस दौरान उन्होंने प्रेसवार्ता में बढ़ती महंगाई को लेकर कहा कि 2014 में कॉंग्रेस के शासन में कितनी महंगाई हो गई थी यह बात जनता जनार्दन बखूबी जानती है।उसकी अपेक्षा फिर भी बहुत सस्ता है और जो महंगाई बढ़ी है वह जल्द स्थिर होगी।किसान आंदोलन को लेकर उन्होंने कहा देश और प्रदेश में किसानों का बड़ा उत्साह है किसान पूरी तरह भारतीय जनता पार्टी के साथ खड़ा है कुछ लोग जो आंदोलन को हवा दे रहे हैं तो जनता पहले यह देखे की वह किसान है भी या नहीं।आज वर्तमान में जाए तो किसानों का भाजपा को बड़ा जनसमर्थन है और उसी के

प्रदेशाध्यक्ष मंडल महामंत्री के निवास पहुंचे पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष

कारण हमारी प्रदेश में सरकार है।भाजपा हमेशा किसानों के हित में कार्य करने वाली सरकार है।तो वहीं किसान सम्मान निधि को लेकर उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि लगातार देने का काम भारतीय जनता पार्टी कर रही है मध्यप्रदेश में भी सम्मान निधि को बढ़ाने का कार्य किया है और कहीं किसानों को सम्मान निधि न मिलने की कोई समस्या आ रही है तो उसकी समस्या को जल्द ही दूर किया जाएगा।तो वहीं सड़क पर घूम रही आवारा गायों को लेकर उन्होंने कहा कि उस ओर भी भाजपा की पार्टी लगातार ध्यान दे रही है बीच में कांग्रेस की सरकार आने की वजह से बहुत सी चीजें रुक गई थी लेकिन अब बहुत ही जल्द बन चुकी गौशालाओं को शुरु किया जाएगा।प्रदेश में बड़ा दायित्व मिलने पर उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने पुनः मुझ पर जो विश्वास जताया है उसके लिए मैं भाजपा के वरिष्ठ नेतृत्व संगठन के महामंत्री श्री सुहास भगत जी बीडी शर्मा जी का बहुत बहुत आभारी हूँ।उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का कार्य करेंगे और पार्टी को एक नई गति देंगे।लगातार भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच भारतीय जनता पार्टी की रणनीति से अवगत कराते रहेंगे।

पशुपालन एवं डेयरी विकास से प्रति वर्ष एक लाख रोजगार सृजित किये जाएँः मुख्यमंत्री

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ दैनिक पुष्पांजली टुडे

भोपाल मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लक्ष्यों को समयवद्ध कार्य-योजना के अनुसार प्राप्त किया जाए। पशुपालन और डेयरी विभाग के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाया जाए। एक वर्ष में एक लाख लोगों को स्व-रोजगार से जोड़ने की कार्य-योजना तैयार कर उसे अमल में लाया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप में डेयरी व्यवसाय, पशुपालन विकास, उत्पादन में वृद्धि और विविधीकरण की गतिविधियों को शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान मंत्रालय में पशुपालन एवं डेयरी विभाग की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में पशुपालन, सामाजिक न्याय एवं निशक्तजन कल्याण मंत्री प्रेम सिंह पटेल, मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, कृषि उत्पादन आयुक्त के.के. सिंह, एम.डी. मध्यप्रदेश दुग्ध संघ शमीम उद्दीन, अपर मुख्य सचिव पशुपालन एवं डेयरी जे.एन. कंसोटिया मौजूद थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिये कि मुर्गा-मुर्गी, अण्डे, बकरी और दूध का उत्पादन बढ़ाया जाए। इस कार्य में प्रदेश को आत्म-निर्भर बनाया जाये। स्व-रोजगार मूलक

छोटी-छोटी योजनायें बनायी जाए, जो गरीब परिवारों के लिये आय का जरिया बने और सफलता पूर्वक क्रियान्वित हो। अनेक वर्षों से संचालित हो रही योजनाओं की समीक्षा की जाये तथा अनुपयोगी योजनाओं को बन्द किया जाए। इन योजनाओं के क्रियान्वयन की वर्तमान स्थिति की रिपोर्ट राज्य शासन के समक्ष प्रस्तुत की जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कृत्रिम गर्भाधान को बढ़ाकर नस्ल सुधार और दूध उत्पादन वृद्धि के लक्ष्य को हासिल करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि गो-सेवकों को प्रशिक्षित कर और उन्हें आवश्यक उपकरण प्रदान कर अधिक दक्ष बनाया जाए। बैठक में बताया गया कि कृत्रिम गर्भाधान वर्तमान में 32 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक का लक्ष्य है। वर्ष 2020-21 में 1628 निजी कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पशुओं को होने वाली बीमारियों का इलाज अभियान संचालित कर कराये। पशु चिकित्सालयों में चिकित्सकों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। विलंब से चिकित्सालय आने वाले, अनुपस्थित रहने वाले तथा लापरवाह पशु चिकित्सकों तथा स्टाफ के विरूद्ध कार्रवाई की जाए। फ्रोजेन सीमेन के 26 लाख सीमेन डोजेस का उत्पादन किया गया है। इसे बढ़कार 45 लाख फ्रोजेन सीमेन डोजेस का लक्ष्य हासिल किया जायेगा। बैठक में बताया गया कि प्रथम चरण में करीब 253 लाख पशुओं में एफ.एम.डी. टीकाकरण किया गया है। पशुओं की 12 बीमारियों के लिये वैक्सीन बनाने वाली महू स्थित जैविक उत्पाद प्रयोगशाला का उन्नयन एवं नवीनीकरण किया जायेगा। बताया गया कि भोपाल में 12 करोड़ रूपये की प्रोडेक्ट डेयरी परियोजना, इंदौर में 5 करोड़ रूपये लागत की मक्खन भण्डारण के लिये कोल्डस्टोरेज परियोजना और रीवा में 3 करोड़ 50 लाख रूपये लागत के 20 हजार लीटर क्षमता के दुग्ध संयंत्र स्थापना परियोजना को स्वीकृत किया गया वर्ष 2019-20 में 1004 गोशालायें स्वीकृत की गयी, जिनमें से 963 गौशाओं का निर्माण पूरा हो गया है। वर्ष 2020-21 में 2365 गौशाला निर्माण का लक्ष्य है। बैठक में निर्णय लिया गया कि नाना जी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय अंतर्गत डेयरी टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम प्रारंभ किये जायेगें। प्रथम चरण में दो स्थानों पर यह पाठ्यक्रम प्रारंभ होगा। विज्ञान केन्द्र,पशुपालन एवं डेयरी गतिविधियों के विस्तार के लिये कृषि विभाग अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केन्द्रों को ही पाठ्यक्रम एवं डेयरी विकास की जिम्मेदारी सौंपी जायेगी। पशुपालन अंतर्गत तीन लाख पशुपालकों को किसान क्रेडिड कार्ड प्रदान करने के लक्ष्य के विरूद्ध बैंकों को 4 लाख आवेदन प्रस्तुत किये गये है। वर्तमान में 84 हजार किसान क्रेडिड कार्ड स्वीकृत किये जा चुके है। जिला सिवनी में पायलट आधार पर बकरियों में कृत्रिम गर्भाधान की सुविधा शुरू की गयी है। बैठक में बताया गया कि कौओं, जंगली पक्षियों और मुर्गियों में बर्डफ्लू रोग नियंत्रण के लिये भारत सरकार के दिशा-निर्देश तथा कार्य योजना अनुसार प्रभावित क्षेत्रों में कार्रवाई की गयी है। अब स्थिति पूर्ण नियंत्रण में है।

भिण्ड जनसुनवाई में कलेक्टर ने किया फरियादियों की समस्याओं का निराकरण

पंकज त्रिपाठी दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में हर मंगलवार को होने वाली आयोजित जनसुनवाई में आज की जनसुनवाई में नवागत कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने आवेदकों की समस्याओं, शिकायतों को सुना और उनका निराकरण किया। कुछ प्रकरणों में संबंधित जिला अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही एवं शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में संगोष्ठी का आयोजन

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ दैनिक पुष्पांजली टुडे

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में सत्र 2021-22 से राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्रियान्वित कर लागू की जाएगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य होगा। मंत्री डॉ. यादव माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति और क्रियान्वयन विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। संगोष्ठी का आयोजन भारतीय शिक्षण मंडल नीति आयोग एवं माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता और संचार विश्वविद्यालय भोपाल के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए योजना तैयार जा रही है। नई शिक्षा नीति कल का नहीं आज का

विषय है। इसके क्रियान्वयन के लिये अभी से हमें आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कोरोना के कठिन काल के बावजूद भी उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए गए हैं। विद्यार्थियों को जनरल प्रमोशन न देते हुए कोरोना के चुनौतीपूर्ण समय में पूरे देश में स्नातक एवं स्नातकोत्तर की परीक्षाएँ कराने वाला मध्यप्रदेश पहला राज्य बना हैद्य ओपन बुक प्रणाली द्वारा मध्यप्रदेश में आयोजित की गई परीक्षाओं का अनुसरण दूसरे राज्यों ने भी किया है। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. यादव ने पत्रकारिता के विद्यार्थियों द्वारा प्रकाशित प्रायोगिक समाचार-पत्र %विकल्प% का विमोचन भी किया। संगोष्ठी की अध्यक्षता माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के. जी.सुरेश द्वारा की गई। इस अवसर पर मुख्य वक्ता श्री उमाशंकर पचौरी, विशिष्ट अतिथि प्रो. मजहर आसिफ, प्रो. चैतन्य प्रकाश अग्रवाल, प्रो. पवन सिंह, प्रो. राखी तिवारी सहित अन्य प्राध्यापक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

अपराधियो कि खेर नही आम जनता से कोई बेर नही के नारे के साथ

थाना बडोनी की धरपकड़ जारी

उप संपादक संदीप प्रधान की रिपोर्ट पुष्पांजली टुडे

थाना बडोनी पुलिस ने पकड़े 4950 रुपये सहित 07 जुआरी आज दिनांक को कस्बा बडोनी में थाना प्रभारी बडोनी रविन्द्र शर्मा व उनकी टीम द्वारा से मुखबिर सूचना पर इमलीपुरा बडोनी से 07 जुआरियो को 4950 रुपये नगदी व 04 एंड्रॉयड मोबाईल सहित गिरफ्तार कर सभी आरोपीयो के विरुद्ध धारा 13

जुआँ एक्ट में अपराध पंजीबद्ध किया ।

ईनकी हुई गिरफ्तारी: 1-इमरन पुत्र हल्के अहिरवार 2-राहुल पुत्र गाजधार गोधनिया 3-मोहित पुत्र मोहर सिंह यादव 4-राजेश पुत्र महेश अहिरवार 5-राहुल पुत्र वीरेंद्र जाटव 6-संतोष पुत्र नारायण प्रजापति 7-गोलू पुत्र रामू प्रजापति सभी निवासी बडोनी

ईनकी रही मुख्य भूमिका: सउनि राजेन्द्र पुड्ढा, प्रआर. राम सिंह, आर पुष्पेंद्र,आर. शिवराम, भूपेंद्र, अनिल, रविन्द्र, महेंद्र, योगेन्द्र, जसवंत, जितेंद्र, रामसेवक।

गरीब आवासहीनों को आवास दिए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

कैलारस । गरीब आवास हीन परिवारों को आवास दिए जाने की मांग को लेकर जनवादी महिला समिति और माकपा ने तहसील कार्यालय कैलारस पर प्रदर्शन कर तहसीलदार के नाम ज्ञापन सौंपकर आवास दिए जाने की मांग की यहां बता दें कि जनपद कैलारस की ग्राम पंचायत कैलारस ग्रामीण में शासकीय भूमि के कई शेंड है जिन पर यदि प्रशासन चाहे तो आवासहीन परिवारों को पट्टे देकर आवास वितरण किया जा सकता हे लेकिन ग्राम पंचायत के 50 के करीब परिवार किराए के मकान में गुजर-बसर कर रहे हैं जिनके सामने रोजी-रोटी का संकट भी बना हुआ है ऐसे परिवारों को आवास दिलाए जाने की नितांत आवश्यकता है जिसको लेकर माकपा के बैनर तले आज आंदोलन की शुरुआत की गई आंदोलन का नेतृत्व कामरेड गया राम सिंह धाकड़ महेश प्रजापति और नरेंद्र सिकरवार, इब्राहिम शाहसहित महिला समिति की नेत्री कमला नगर कर रही थी इस अवसर पर कामरेड गया राम सिंह धाकड़ ने अपने उद्बोधन में कहा कि जहां एक तरफ तो सरकार कहती है कि 2022 तक सबके सर पर छत होगी वहीं उसके उलट अभी भी कई ऐसे परिवार हैं जो आवास जैसी समस्या से जूझ रहे हैं बावजूद इसके भी सरकार इस ओर ध्यान नहीं दे रही और केवल चुनावी भाषणों में आवास दिए जाने के बड़े-बड़े वायदे किए जाते हैं जोगन की दोहरी नीति को दर्शाता है वही दूसरी तरफ बढ़ती महंगाई में आवासहीन परिवार किराए के मकान में रहकर कैसे अपने बड़े परिवार का भरण पोषण कर रहे हैं संकट से जूझते हुए उनका जीवन नर्क जैसा हो गया है उन गरीब मजदूरों के बच्चे भी पढ़ाई से वंचित है सरकार की दोहरी नीति के खिलाफ अब आंदोलन का बिगुल बज चुका है ।

मुरैना में बदमाशों ने की फायरिंग

व्यापारियों ने किए अपने प्रतिष्ठान बंद

मुरैना । मुरैना जिले में अपराधियों के हौसले इतने बुलंद है की दिनदहाड़े गोली चलाने से भी नहीं चूकते हैं लेकिन पुलिस प्रशासन हाथ पर हाथ धरे बैठा हुआ है। आए दिन अपराधी दिनदहाड़े घटना को अंजाम देकर चले जाते हैं। पुलिस कार्रवाई के नाम पर मौन बन कर बैठ जाती है। अपराधियों के हौसले इतने बुलंद है कि दिनदहाड़े चोरी लूट और फायरिंग करने से भी नहीं चूकते हैं ।अपराधियों को खाकी वर्दी का खौफ बिल्कुल खत्म हो चुका है ।दिनदहाड़े फायरिंग करने का ऐसा ही मामला सामने आया है जिसमें मोबाइल कवर को वापस न करने पर दिनदहाड़े स्टेशन थाना क्षेत्र के छोटी बजरिया में तीन लोग फायरिंग करके

भाग जाते है।जानकारी के अनुसार आज दोपहर स्टेशन रोड छोटी बजरिया में आशीष जैन की मंगल प्लाजा में मोबाइल की दुकान है। यहां पर कुछ युवक आशीष जैन से मोबाइल का कवर खरीदने के लिए आए थे। थोड़ी देर बाद तीन युवक मुह बांधकर सफेद अपाची से सामान को वापस करने के लिए आये तो दुकानदार ने कवर वापस करने से मना कर दिया ।इसी बात को लेकर दुकानदार और युवकों के बीच कहासुनी हो गई। तभी एक युवक ने कट्टा निकालकर दहशत फैलाने की नीयत से फायरिंग कर दी और भाग गए। दहशत में आए दुकानदारों ने अपने अपने प्रतिष्ठान बंद करके स्टेशन थाना पहुंचे। वहां उन्होंने बदमाशों को तुरंत पकड़ने के लिए पुलिस से मांग की। व्यापारियों ने मांग की कि जब तक बदमाश गिरफ्तार नहीं होंगे। तब तक हम अपने प्रतिष्ठान नहीं खोलेंगे। फायरिंग की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद होने के बाद स्टेशन थाना पुलिस सीसीटीवी कैमरे की मदद से आरोपियों को पकड़ने में जुट गई है।

मध्यप्रदेश स्वर्णकार समाज कल्याण समिति का प्रांतिय अधिवेशन संपन्न

मुरैना । गत दिवस पंचायती धर्मशाला सर्राफा बाजार मुरैना में मध्यप्रदेश स्वर्णकार समाज कल्याण समिति का प्रांतिय अधिवेशन एवं नव नियुक्त पदाधिकारीयों का शपथग्रहण समारोह मध्यप्रदेश स्वर्णकार समाज कल्याण समिति जिला मुरैना के द्वारा मुरैना जिला अध्यक्ष दिलीप वर्मा एवं उनके समस्त पदाधिकारी और उनकी टीम के नेतृत्व में आयोजित किया गया जिसमें प्रदेश भर के सभी नव नियुक्त जिला अध्यक्ष व पदाधिकारीयों को शपथ दिलाई गई जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी जी मोजूद थे एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में कोतमा से विधायक सुनील सर्राफ मोजूद रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष राजेश सोनी ने की तथा मंच पर माहौर क्षत्रिय महासभा महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमति वंदना सोनी (माहौर) एम के राजपूत नरेंद्र वर्मा पूरन चंद वर्मा रामदास जी वर्मा आदि कई समाज के पदाधिकारी मौजूद थेकार्यक्रम नेहरू पार्क से प्रारंभ वाहन रैली के रूप सुरू हुआ जिसमें मुख्य अतिथि कैलाश सोनी एवं विशिष्ट अतिथि विधायक सुनील सर्राफ एवं अन्य पदाधिकारी ओपन जीफ में सवार थे जो गाड़ियों व मोटरसाइकिल रैली के रूप में शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे रास्ते में कई जगह अतिथियों का और रैली का स्वागत किया गया।

चैन्नई मे सीरवी समाज के धर्म गुरू दीवान माधोसिंह का फूल माला पहनाकर किया स्वागत

नारायनलाल पुष्पांजली टुडे

चेन्नई स्थित श्रीआई माता फार्म श्री आईजी सेवा समिति के सह कोषाध्यक्ष हरीराम चोयल व समिति के सलाहकार डुंगाराम चोयल के चेन्नई स्थित श्री आई माता फार्म हाउस पर पधारे सीरवी समाज के धर्मगुरु पूजनीय दिवान माधव सिंहजी साहब सीरवी समाज के धर्मगुरु पूजनीय दिवान साहब इन दिनों चेन्नई भ्रमण पर है आप किसी समारोह में शिरकत करने तथा कुछ सामाजिक विषयों पर चर्चा एवं अपने समाज के लोगों को जागरूक करने के लिए चेन्नई पधारें हुए हैं इसी कड़ी में आज रविवार 28 फरवरी को श्री आईजी सेवा समिति के सह कोषाध्यक्ष तथा वर्तमान में सीरवी समाज पुलियांतोप के सचिव महोदय हरीराम चोयल पुलियांतोप व उनके फार्म हाउस के सहभागी मित्र समिति सलाहकार डुंगाराम चोयल मारवाड़ वोपारी के चेन्नई परंगाऊर स्थित फार्म हाउस पर पधार कर आशीर्वाद प्रदान किया आदरणीय दिवान साहब ने श्री हरीरामजी चोयल से कभी फोन वार्ता पर वादा किया था कि अगली बार जब चेन्नई आऊंगा तो आप के फार्म हाउस पर जरूर आऊंगा, आपने उस वादे को पूर्ण किया तथा कल फार्म हाउस पर पधारे। वहां बड़ी संख्या में उपस्थित सीरवी समाज के बंधुओं को संबोधित किया समाज के गणमान्य समाजसेवी फार्म हाउस पर उपस्थित रहे जिसमें मुख्यत साऊकारपेट संस्था के सचिव महोदय खंगारराम देवड़ा,सह सचिव नारायणलाल गेहलोत उपाध्यक्ष गोपाराम बर्फा, पेरून्गुड़ी बढेर संस्था के अध्यक्ष एवं श्री आईजी सेवा समिति के संरक्षक रतनलाल सिंदड़ा पेरून्गुड़ी बढेर संस्था के कोषाध्यक्ष रामलाल चोयल आईजी सेवा समिति मीडिया प्रभारी नारायणलाल चोयल रायपेट्ठा पुलियांतोप बढेर संस्था के कोषाध्यक्ष सुरेशकुमार श्री आईजी सेवा के सलाहकार एवं मार्गदर्शक मगाराम पंवार गोपाराम मुलेवा बसंतनगर, समिति सदस् नाथूराम काग तिरुवान्मियूर जोराराम पंवार सहित सीरवी समाज की अन्य अन्य उपनगरीय संस्थाओं के पदाधिकारीगण एवं गणमान्य लोग भारी संख्या में उपस्थित रहे पूजनीय दीवान साहब के आगमन पर चोयल परिवार से कन्याओ व महिलाओं द्वारा तिलक लगाकर अपनी परंपरा अनुसार मोळी बांधकर फूलमाला के साथ फूलों की वर्षा कर आई माता के जय घोष के साथ पोंतिये सफेद व लाल वस्त्र बिछाकर बहुत ही आदरपूर्वक दिवान साहब को फार्म हाउस स्थित पुजा स्थल तक ले जाया गया धर्मगुरु दीवान साहब ने अपने कर कमलों से श्री आई माताजी की तस्वीर पर हार फूल चढ़ाएं तथा नारियल चढ़ाकर आई माताजी से सबके लिए मंगल कामना की तथा आप अपने श्रीमुख से माताजी की आरती गाई एवं सबको आर्शीवचन सुनाकर आशीर्वाद प्रदान कर धन्य किया। दीवान साहब ने अपने संबोधन में समाज में जागरूकता लाने पर बल दिया जिसमें मुख्य रूप से व्यसन मांस मदिरा पर अंकुश लगाने का अनुरोध किया, आपसी एकता पर विचार रखे तथा माताजी से समाज के सर्वांगीण विकास की मंगल

कामना की फार्म हाउस पर उपस्थित समाज के गणमान्य लोगों की उपस्थिति से गदगद आदरणीय दिवान साहब ने सीरवी समाज की विकास यात्रा पर खुशी जाहिर की तथा अपने समाज के सभी महानुभावों को धन्यवाद प्रेषित करते हुए कहा कि आपकी मेहनत रंग लाई जो आज हम इस स्टेज पर खड़े हैं आप लोगों के द्वारा इस तरह से फार्म हाउस खरीदना, भारी उद्योग में आगे बढ़ना तथा विकास की बुलंदियों की ओर आपका यह कदम मुझे अंदर से प्रसन्नता का आभास करा रहा है

धर्मगुरु ने कहा कि मेरा समाज तथा मेरे समाज के भाई बंधु इस तरह विकास करते हैं तब समाज का गौरव बढ़ता है तथा हम सबका सम्मान बढ़ता है मुझे असली खुशी तब होती है जब मेरा समाज एकजुट प्रेम भाईचारा के साथ व्यापार व्यवसाय में नाम रोशन कर रहा है एवं करता रहे, यह हम सब के लिए गौरवान्वित होने के पल हैं हंसी हंसी में परम पूजनीय दिवान साहब ने वहां उपस्थित बंधुओं से कहा कि अगली बार में यहां आऊं तब तक हमारे समाज के अधिकतर गणमान्य लोग इस तरह से यहां अधिकाधिक फार्म हाउस खरीदे एवं फैक्ट्री जैसे भारी उद्योगों में विकास करते हुए पाए जाने चाहिए दीवान साहब ने कहा कि आप पूरी इमानदारी से एवं अच्छी नियत से माताजी को साक्षी रखकर कुछ भी कार्य करेंगे तो श्री आई माता जी का आशीर्वाद आपको सदैव मिलता रहेगा तथा आप किसी भी व्यापार व्यवसाय में कभी भी असफल नहीं होंगे श्री आई माताजी आपको हर जगह सफलता प्रदान करेंगे अलबत्ता ईमानदारी एवं नियति का ठीक होना जरूरी है गणमान्य समाजसेवी बुद्धिजीवी लोगों द्वारा दिवान साहब का बहूमान किया गया,हरीराम चोयल व डुंगाराम चोयल परिवार द्वारा दिवान साहब का स्वागत किया गया, इस कार्यक्रम की सभी ने सराहना की, खुशनुमा माहौल रहा दीवान साहब ने भी दिल से खुशी जाहिर करते हुए सभी उपस्थित बंधुओं का आभार व्यक्त किया एवं चोयल परिवार को धन्यवाद देते हुए अपने आशीर्वाद से अनुग्रहीत किया हाउस पर पधारे सीरवी समाज के धर्मगुरु पूजनीय दिवान माधव सिंहजी साहब सीरवी समाज के धर्मगुरु पूजनीय दिवान साहब इन दिनों चेन्नई भ्रमण पर है,आप किसी समारोह में शिरकत करने तथा कुछ सामाजिक विषयों पर चर्चा एवं अपने समाज के लोगों को जागरूक करने के लिए चेन्नई पधारें हुए हैं इसी कड़ी में आज रविवार 28 फरवरी को श्री आईजी सेवा समिति के सह कोषाध्यक्ष तथा वर्तमान में श्री सीरवी समाज पुलियांतोप के सचिव महोदय हरीराम चोयल पुलियांतोप व उनके फार्म हाउस के सहभागी मित्र समिति सलाहकार डुंगाराम चोयल मारवाड़ वोपारी के चेन्नई परंगाऊर स्थित फार्म हाउस पर पधार कर आशीर्वाद प्रदान किया

आदरणीय दिवान साहब ने हरीराम चोयल से कभी फोन वार्ता पर वादा किया था कि अगली बार जब चेन्नई आऊंगा तो आप के फार्म हाउस पर जरूर आऊंगा,आपने उस वादे को पूर्ण किया तथा कल फार्म हाउस पर पधारे। वहां बड़ी संख्या में उपस्थित सीरवी समाज के बंधुओं को संबोधित किया समाज के गणमान्य समाजसेवी फार्म हाउस पर उपस्थित रहे जिसमें मुख्यत साऊकारपेट संस्था के सचिव महोदय खंगारराम देवड़ा सह सचिव नारायणलाल गेहलोत उपाध्यक्ष गोपाराम बर्फा, पेरून्गुड़ी बढेर संस्था के अध्यक्ष एवं श्री आईजी सेवा समिति के संरक्षक रतनलाल सिंदड़ा, पेरून्गुड़ी बढेर संस्था के कोषाध्यक्ष रामलाल चोयल श्री आईजी सेवा समिति मीडिया प्रभारी नारायणलाल चोयल रायपेट्ठा,पुलियांतोप बढेर संस्था के कोषाध्यक्ष सुरेशकुमार श्रीआईजी सेवा के सलाहकार समिती कोषाध्यक्ष चेनाराम हांम्बड साऊकारपेट मार्गदर्शक मगाराम पंवार गोपाराम मुलेवा बसंतनगर, समिति सदस्य नाथूराम काग तिरुवान्मियूर जोराराम पंवार सहित सीरवी समाज की अन्य अन्य उपनगरीय संस्थाओं के पदाधिकारीगण एवं गणमान्य लोग भारी संख्या में उपस्थित रहे।

संपादकीए

आजाद का मोदी प्रेम

कांग्रेस के कद्दावर नेता और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष रहे गुलाम नबी आजाद के अचानक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए उमड़े प्रेम से सियासी हलचल तेज हो गई है। जम्मू में जी-23 नेताओं के पार्टी हाईकमान के खिलाफ संघर्ष का संकेत देने के एक दिन बाद ही सार्वजनिक मंच पर आजाद की ओर से मोदी को जमीनी नेता कहने के कई मायने निकाले जा रहे हैं। इसे सियासी समीकरणों में बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। राज्यसभा में विदाई के दौरान आजाद की तारीफ करते हुए पीएम मोदी की आंखें भर आईं थी। मोदी ने भरे सदन में कहा था कि वे राज्यसभा से रिटायर हो रहे हैं लेकिन उन्हें राजनीति से रिटायर नहीं होने दिया जाएगा। इन सभी घटनाक्रम के अब निहितार्थ निकाले जा रहे हैं। हाल के दिनों के राजनीतिक घटनाक्रमों के बाद यह कयास लगे रहें हैं कि कहीं आजाद पाला तो नहीं बदलने वाले हैं। क्या वे भाजपा में तो शामिल होने वाले नहीं हैं या फिर कांग्रेस से अलग होकर कोई नई पार्टी को आकार देने में तो नहीं जुटे हैं। हालांकि, आजाद का कहना है कि यदि उन्हें भाजपा में शामिल होना होता तो वह वाजपेयी के समय में ही चले गए होते। उधर, राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि सियासत में सब कुछ संभव है। पहले भी घोर राजनीतिक मतभेद रहने के बावजूद कई नेताओं ने धुर विरोधी पार्टी का दामन थामा है। विश्लेषकों के अनुसार देश की राजनीति और कांग्रेस में आजाद का बड़ा कद है। जम्मू-कश्मीर के साथ ही पूरे देश में आजाद के समर्थक हैं। राष्ट्रीय महासचिव, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और राज्यसभा में प्रतिपक्ष का नेता रहते उनकी विभिन्न राज्यों में पकड़ है। ऐसे में यदि वे पाला बदलते हैं या फिर नई पार्टी बनाते हैं तो कांग्रेस को बड़ा झटका लग सकता है। यदि ऐसा नहीं होता है तो भी आजाद समर्थकों की चुप्पी का कांग्रेस की सेहत पर असर पड़ सकता है। कांग्रेस पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र और अध्यक्ष पद के लिए चुनाव का मुद्दा उठाकर सोनिया की आंखों की किरकिरी बनने वाले आजाद ने अपने समर्थकों के साथ शनिवार को जम्मू से सोनिया-राहुल के खिलाफ बिगुल फूंका था। गांधी ग्लोबल फैमिली की ओर से आयोजित शांति सम्मेलन में कांग्रेस के लगातार कमजोर होने की बात कही थी। खुलेआम कहा गया कि वे हैं तो कांग्रेस है। सम्मेलन में मंच से यह भी कहा गया कि जब प्रधानमंत्री मोदी आजाद की तारीफ कर सकते हैं तो पार्टी को उनके अनुभवों का लाभ लेने में क्या परहेज है। इस घटनाक्रम के अगले दिन स्वयं आजाद ने मोदी की तारीफ में कसीदे पढ़े। यह आजाद और उनके समर्थकों का कांग्रेस पर दबाव बनाने की रणनीति है। वह पार्टी में सम्मान एवं स्थान पाने के लिए दबाव बना रहे हैं। गांधी-नेहरू परिवार का व्यक्तित्व पहले करिश्माई था। सरकार में रहने पर परिवारवाद का दोष छिप जाता है, लेकिन लगातार चुनावी असफलताओं पर कांग्रेस में आत्ममंथन, आत्मचिंतन की जरूरत है। आजाद समर्थक भी कांग्रेस में लोकतंत्र की बहाली और आत्ममंथन की बात कर रहे हैं। इसे सकारात्मक तरीके से लेना चाहिए।

घोटालों के बादल और चुनावी हिंसा

डॉं नीलम महेंद्र

पश्चिम बंगाल में चुनावों की औपचारिक घोषणा के साथ ही राजनैतिक पारा भी उफान पर पहुँच गया है. देखा जाए तो चुनाव किसी भी लोकतंत्र की आत्मा होते हैं सैद्धांतिक रूप से तो चुनावों को लोकतंत्र का महापर्व कहा जाता है.और निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की नींव को मजबूती प्रदान करते हैं. लेकिन जब इन्हीं चुनावों के दौरान हिंसक घटनाएं सामने आती हैं जिनमें लोगों की जान तक दांव पर लग जाती हो तो प्रश्न केवल कानून व्यवस्था पर ही नहीं लगता बल्कि लोकतंत्र भी घायल होता है. वैसे तो पश्चिम बंगाल में चुनावों के दौरान हिंसा का इतिहास काफी पुराना है. नेशनल क्राइम रेकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े इस बात को तथ्यात्मक तरीके से प्रमाणित भी करते हैं. इनके अनुसार 2016 में बंगाल में राजनैतिक हिंसा की 91 घटनाएं हुईं जिसमें 206 लोग इसके शिकार हुए.

इससे पहले 2015 में राजनैतिक हिंसा की 131 घटनाएं दर्ज की गई जिनके शिकार 184 लोग हुए थे. वहीं गृहमंत्रालय के ताजा आंकड़ों की बात करें तो 2017 में बंगाल में 509 राजनैतिक हिंसा की घटनाएं हुई थीं और 2018 में यह आंकड़ा 1035 तक पहुंच गया था. इससे पहले 1997 में वामदल की सरकार के गृहमंत्री बुद्धदेब भट्टाचार्य ने बाकायदा विधानसभा में यह जानकारी दी थी कि वर्ष 1977 से 1996 तक पश्चिम बंगाल में 28,000 लोग राजनैतिक हिंसा में मारे गए थे. निसंदेह यह आंकड़े पश्चिम बंगाल की राजनीति का कुत्सित चेहरा प्रस्तुत करते हैं. पंचायत चुनाव से लेकर लोकसभा चुनाव के दौरान पश्चिम बंगाल का रक्तरंजित इतिहास उसकी ÷शोनार बंगला÷ की छवि जो कि रबिन्द्रनाथ टैगोर और बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जैसी महान विभूतियों की देन है उसे भी धूमिल कर रहा है. बंगाल की राजनीति वर्तमान में शायद अपने इतिहास के सबसे दयनीय दौर से गुज़र रही है जहाँ वामदलों की रक्तरंजित राजनीति को उखाड़ कर एक स्वच्छ राजनीति की शुरुआत के नाम पर जो तृणमूल सत्ता में आई थी आज सत्ता

बचाने के लिए खुद उस पर रक्तपिपासु राजनीति करने के आरोप लग रहे हैं. हाल के लोकसभा चुनावों में भाजपा का वोट प्रतिशत बढ़ने के साथ ही राज्य में हिंसा के ये आंकड़े भी लगातार बढ़ते जा रहे हैं. चाहे वो भजपा के विभिन्न रोड़ शो के दौरान हिंसा की घटनाएं हों या उनकी परिवर्तन यात्रा को रोकने की कोशिश हो या फिर जेपी नड्डा के काफिले पर पथराव हो. यही कारण है कि चुनाव आयुक्त को कहना पड़ा कि बंगाल में जो परिस्थितियां बन रही हैं उससे यहाँ पर शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव करना चुनाव आयोग के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है. स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि चुनाव आयोग इस बार 2019 के लोकसभा चुनावों की अपेक्षा 25 फीसदी अधिक सुरक्षा कर्मियों की तैनाती करने पर विचार कर रहा है. लेकिन इस चुनावी मौसम में बंगाल के राजनैतिक परिदृश्य पर घोटालों के बादल भी उभरने लगे हैं जो कितना बरसेंगे यह तो वक्त ही बताएगा लेकिन वर्तमान में उनकी गर्जना तो देश भर में सुनाई दे रही है. दरअसल केंद्रीय जाँच ब्यूरो ने राज्य में कोयला चोरी और अवैध खनन के मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और टीएमसी संसद अभिषेक बैनर्जी की पत्नी रुजीरा बैनर्जी और उनकी साली को पूछताछ के लिए नोटिस भेजा है. इससे कुछ दिन पहले शारदा चिटफंड घोटाला जिसमें देश के पूर्व वित्तमंत्री चिदम्बरम और खुद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री पर आरोप लगे थे, इस मामले में सीबीआई ने दिसंबर 2020 में सुप्रीम कोर्ट में एक अवमानना याचिका दायर की थी. इसके अनुसार बंगाल के मुख्यमंत्री राहत कोष से तारा टीवी को नियमित रूप से 23 महीने तक भुगतान किया गया. कथित तौर पर यह राशि मीडिया कर्मियों के वेतन के भुगतान के लिए दी गई. गौरतलब है कि जांच के दौरान तारा टीवी के शारदा ग्रुप ऑफ कम्पनीज का हिस्सा होने की बात सामने आई थी. सीबीआई का कहना है कि पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री राहत कोष से तारा टीवी कर्मचारी कल्याण संघ को कुल 6.21 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था. इससे कुछ समय पहले या यूँ कहा जाए कि 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले भी इसी शारदा घोटाले की जाँच को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और केंद्र सरकार आमने सामने थीं. वैसे भारत जैसे देश में घोटाले होना कोई नई बात नहीं हैं और ना ही चुनावी मौसम में घोटालों के पिटारे खुलना. ऐसे संयोग इस देश के आम आदमी ने पहले भी देखे हैं.

कोरोना से बचें, आपकी धडक़न के सतर्कता जरूरी

अशोक कुमार

वासंती हवाओं के साथ मन में इस समय प्रेम की जगह भय ने ले लिया है. एक बार फिर डराने की सूचना से सबके चेहरे पर शिकन दिखने लगी है. जानलेवा कोरोना का एक और दौर शुरू हो गया है. आंकड़ों की बतकही पर ना भी जाएं तो कोरोना का जो वैश्विक रूप से देखने को मिल रहा है, वह सुकून देने वाला तो कतई नहीं है. बीते एक साल जो कुछ हम सबने झेला, उससे आज तक हम उबर नहीं पाए हैं. अब फिर सूचना आने लगी है. चेतावनी दी जाने लगी है कि कोरोना का यह दौर पहले से ज्यादा खतरनाक है. सरकारें भी सचेत हो गई हैं. मध्यप्रदेश के इंदौर और भोपाल में धडक़न जिस तरह से थमने लगी थी, उस पर शासन-प्रशासन की सख्ती से किसी तरह काबू पाया जा सका था. जो गया, उसकी वापसी नहीं हो सकती थी लेकिन जिन्हें बचाया जा सकता था, उन्हें बचाने की भरसक कोशिश की गई. काल का दूसरा नाम कोरोना है. और कोरोना से बचने की जिम्मेदारी हम सब की है. सरकार और तंत्र को सहयोग करना हमारी नैतिक जवाबदारी है. सरकार ने फरमान जारी कर दिया है कि मॉस्क लगाना कम्पलसरी होगा लेकिन असल सवाल यह है कि हम क्यों नहीं चेत जाते? क्यों अभी हम मॉस्क से तौबा-तौबा कर रहे हैं? अभी नहीं, आगे भी मॉस्क, फिजीकल डिस्टेंसिंग और हेंडवॉश की आदत बनाये रखिए. कई लोगों को इस बात का भरम है कि वैक्सीनेशन के बाद वे सेफ हैं. यह बात भी ठीक है लेकिन वेक्सीनेशन आपको बेफ्रिक बनाती है, लापरवाह नहीं. कोरोना यह नहीं देखता है कि आप पर क्या जवाबदारी है? आपके घर को आपकी क्या जरूरत है? वह तो चाहे जिस पर हमला बोल दे. हमारी धडक़न कायम रहे. हम स्वस्थ्य रहें, इसके लिए जरूरी है कि एक साल से जो नसीहतें हमें मिल रही है, उसे ना भूलें. बहुत छोटी छोटी सी सावधानियां है जिनका अनदेखा किये जाने से हमारी जान पर बन आती है. चेहरे पर मुंह और नाक पर मॉस्क जरूर लगाएं. कोशिश हो कि सर्जिकल मॉस्क का उपयोग करें क्योंकि डॉक्टरों की सलाह है कि यह सबसे सेफ है. वैसे आप अपने डॉक्टर से बात कर कौन सा मॉस्क कोरोना से सुरक्षा देगा, पहन लें. मॉस्क अपनी सुविधा से खरीदें लेकिन मॉस्क का उपयोग

आप घर से बाहर कदम रखने और लौटने तक करें. घर वापसी के साथ आप साबुन से हाथ धोना नहीं भूलें. घर पर होने के बाद भी अधिकतम समय हाथ धोते रहें. कपड़ों को धोने से डालें तो स्वयं आत्मनिर्भर बनकर. स्वयं के कपड़े खुद पानी में डुबो दें और उस पर डिटॉल छिडक़ दें. ध्यान रहे आपकी यह सावधानी आपके परिवार को अनचाही मुसीबत से बचा सकती है. गर्म पानी पीना और गरारे करने की हिदायत डॉक्टर दे रहे हैं. इसका पालन भी सुनिश्चित करें. जीभ तो हर वक्त स्वाद के लिए बेताब रहती है. स्वयं पर नियंत्रण पाना सीखें. घर पर बना सादा गर्म भोजन करें. बेवजह तफरी करने घर से बाहर ना निकलें. यह आपके हमारे लिए हानिकारक हो सकता है. कोरोना से बचने के लिए आपकी सर्तकता और सावधानी से आप अपने और अपने परिवार को सुरक्षा कवच देते हैं तो प्रशासन की आप मदद करते हैं. स्वयं पर नियंत्रण कर लेते हैं तो अनावश्क जो काम का भार उन पर पड़ता है।

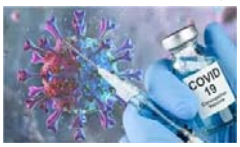

खुशियाँ रूपी दरिया में ही
आपकी जीवन-कश्ती हो
सदा वही स्पर्श करे,
जिस हवा में खुशबू बसती हो
जन्म-दिन के पन्नों में नबस
सुख से भरी कहानी हो
बार-बार ये दिन आए ,
जब तक सागर में पानी हो
घर-आँगन गुलज़ार रहे,
दामन में बस अच्छाई हो
हृदय-तल से जन्म-दिवस
पर जोशी जी को बधाई हो

उच्च विचार हो, नेक इरादे,
आपकी हर-एक बात अमल हो
हर पल मन हर्षाए जैसे झील में
हँसता हुआ कमल हो
मुकद्दर आपसे खफ़ा ना हो,
ख्वाहिशें हमेशा पूरी हो
चेहरे पर हो नूर सदा ही,
पुष्पॉजली से ना दूरी हो
बुरे कर्म को हाथ उठे ना,
हर पल सदा भलाई हो
हृदय-तल से जन्म-दिवस पर
केशब पंडित जी की बधाई हो

जन्मदिन
की हार्दिक शुभकामनाये

चुनावों के साये में देश,-गुजरात की जीत पर जश्न

यद्यपि अभी देश के आम चुनावों में अभी लगभग तीन साल का समय शेष है, किंतु इससे पहले देश के करीब बीस राज्यों में विधान सभाओं के चुनाव होना है और चूंकि पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव अगले दो-तीन महीनों में ही होना है, इसलिए न सिर्फ केन्द्र सरकार व उसके माननीय नेता बल्कि पूरा देश अभी से 'चुनावी मोड़' पर आ गया है, इसका सीधा मतलब यह है कि चूंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र दामोदरदास मोदी देश पर राज कर रही भारतीय जनता पार्टी के प्रचार के मुख्य केन्द्र बिन्दु है, इसलिए अब देश के नेताओं के वादों के अलावा कुछ भी हासिल नहीं होना है, जिसकी झलक मोदी जी के हाल ही के पश्चिम बंगाल व असम के दौरों से स्पष्ट नजर आ गई। चुनाव आयोग अगले एक पखवाड़े के अंदर पांच राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, पौंड़ीचेरी और केरल के विधान सभा चुनावों का कार्यक्रम जारी करने जा रहा है और चूंकि भाजपा ने देश का 'चक्रवर्ती सम्राट' बनने का सपना देख रखा है, इसलिए कम से कम इन पांच राज्यों में चुनाव सम्पन्न होने और परिणाम घोषित होने तक तो जनहित के कोई भी सरकारी फैसलों की उम्मीद नहीं ही की जा सकती।

हाल ही में देश के कुछ राज्यों में स्थानीय शासन संस्थाओं (नगर निगम महानगर पालिकाओं) के चुनाव सम्पन्न हुए, इन राज्यों में पंजाब और गुजरात भी शामिल है, कांग्रेस शासित पंजाब राज्य में जहां भाजपा व अकाली दल जैसे राजनीतिक दलों को काफी निराश होना पड़ा, वहीं गुजरात की अधिकांश सीटों पर भाजपा विजयी रही, भाजपा को कुछ 575 में से 483 सीटों पर सफलता मिली, जबकि कांग्रेस 55 सीटों पर सिमट कर रह गई। इन परिणामों से भाजपा अतिप्रसन्न हो जीत का जश्न मना रही है और इसे मोदी सरकार की उपलब्धियों की जीत बता रही है, किंतु इन चुनावों के माध्यम से गुजरात राज्य में आम आदमी पार्टी और एमआईएम का प्रवेश हो गया, गुजरात की आर्थिक राजधानी सूरत में जहां आप पार्टी को सत्ताईस सीटें हासिल हो गई वहीं असुद्दिन औबेसी की पार्टी एआईएमआईएम ने अहमदाबाद में सात सीटों पर जीत दर्ज कराई। अर्थात् गुजरात में स्थिति यह है कि भाजपा को आप व औबेसी को सीटें चले जाने का उतना गम नहीं है, जितना कि इन राजनैतिक दलों का गुजरात में प्रवेश का। अब ये गुजरात की दैनंदिनी राजनीति का हिस्सा बन जाएगें, जबकि अब तक गुजरात में भाजपा का ही दबदबा था और कांग्रेस तो पूरे देश के साथ गांधी जी के प्रदेश में भी हाशियें पर जा रही थी।

अब पंजाब के स्थानीय चुनावों के परिणामों से आहत भाजपा कुछ डरी-सहमी अवश्य है और इस डर को गुजरात की जीत के पर्दे में छुपाना चाहती है, किंतु उसे इस बात की चिंता अवश्य है कि कहीं पंजाब का इतिहास पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में न रिपीट हो जाये।

जहां तक देश के मुख्य प्रतिपक्षी दल कांग्रेस का सवाल है, वह तो इन दिनों सिमटने के दौर से गुजर रहा है, देश के दक्षिणी राज्यों से उसका पूरी तरह सफाया हो गया है, देश की आजादी के बाद सर्वाधिक समय (करीब पचास साल तक) इस देशा पर राज करने वाली कांग्रेस को कभी इस दौर से भी गुजरना पड़ेगा, इसकी किसी भी बड़े नेता विशेषकर नेहरू, गांधी, सरकार पटेल आदि ने कल्पना नहीं की होगी, किंतु अब तो लग रहा है कि कांग्रेस के रसातल में डालने की यही गति जारी रही तो अगले कुछ ही वर्षों में इसका कोई नाम लेने वाला भी शेष नहीं बचेगा, इसलिए अब कांगेस के भविष्य के बारे में गंभीर चिंतन की सख्त आवश्यकता है, पर सवाल यह कि यह चिंतन करें कौन? जिसे करना है, उन्हें चिंता नही है और जो चिंतित है, उनका पार्टी में कोई अस्तित्व ही नहीं रहने दिया? जो भी हो, किंतु अगले तीन सालों में देश के बीस राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा के ललाट पर चिंता की रेखाऐं अवश्य नजर आने लगी है और अब 'मोदी है तो सब कुछ है' कहना छोड़कर भाजपा को खुद की गंभीर चिंता करनी चाहिये।

विचार मंथन

वह क़त्ल भी करते हैं तो चर्चा नहीं होता ?

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पिछले दिनों तिरुअनंतपुरम में एक सभा में यह कह दिया कि - पहले के 15 साल मैं उत्तर भारत से सांसद था। मुझे वहां दूसरे तरह की राजनीति का सामना करना पड़ता था। केरल आना मेरे लिए ताज़गी भरा रहा, क्योंकि यहां के लोग मुद्दों की राजनीति करते हैं और सिर्फ़ सतही नहीं, बल्कि मुद्दों की तह तक जाते हैं। इस वाक्य में केवल एक तुलनात्मक नज़रिया पेश किया गया है जो किसी भी तरह से उत्तर भारतीयों का अपमान नहीं नज़र आता। बल्कि सही मायने में राहुल की यह टिप्पणी केरल में 6 अप्रैल को विधानसभा की 140 सीटें पर होने जा रहे आम चुनावों के मद्देनज़र राय के लोगों को खुश करने की मंशा के तहत की गयी थी न कि उत्तर भारतीयों का अपमान करने के नज़रिये से। परन्तु किसान आंदोलन,भीषण मंहगाई,तेल-गैस व ट्रेन भाड़े के मूल्यों में हो रही ज़बरदस्त बढ़ोत्तरी व बेरोज़गारी के विरुद्ध उठती युवाओं की प्रबल आवाज़ से देश के लोगों का ध्यान भटकाने के लिए सत्ता व मीडिया की जुगलबंदी ने राहुल गांधी के इस बयान को उत्तर भारतीयों के अपमान के रूप में प्रचारित करना शुरू कर दिया। विदेश मंत्री जय शंकर सहित अनेक केंद्रीय मंत्री राहुल गाँधी पर उत्तर दक्षिण के लोगों को बांटने व उत्तर भारतीय मतदाताओं को अपमानित करने का आरोप लगा रहे हैं तो कुछ नेता राहुल को एहसान फ़रामोश तक कह रहे हैं। ग़ौर तलब है कि जिस केरल के लोगों की उन्होंने तारीफ़ की यह देश का वही इकलौता राय है जिसे शत प्रतिशत साक्षर होने का प्रमाण पत्र दशकों से केंद्र सरकार ही जारी करती रही है। क्या केरल को ऐसा प्रमाण पत्र देना अन्य रायों को अशिक्षित बताने जैसा है ?आंकड़े बताते हैं कि यू पी एस सी की परीक्षाओं में बिहार व उत्तर प्रदेश के लोग सबसे अधिक चुने जाते हैं। यदि इस सचाई को बयान किया जाता है तो क्या यह अन्य रायों के लोगों का अपमान है ? परन्तु सम्मान,अपमान और एहसान फ़रामोश और एहसानमंदी की इस बहस में यह सवाल तो ज़रूर उठता है कि आख़िर देश की जनता व मतदाताओं का अपमान कहते किसे हैं और वक़्त वक़्त पर यह कारगुज़ारी आख़िर कौन लोग अंजाम देते हैं ? क्या जब देश के लोगों से चुनाव पूर्व कहा जाता है कि बहुत हुई मंहगाई की मार, और मंहगाई कम करने के नाम पर जनता से वोट ठग लिए जाते हैं।और चुनवोपरांत मंहगाई कम होने के बजाए आसमान छूने लगे, क्या यह जनता का अपमान नहीं ? देश के बेरोज़गारों को दो करोड़ नौकरी देने के नाम पर वोट लिया जाए और बाद में दस करोड़ से अधिक लोगों को बेरोज़गारी के मुंह में धकेल दिया जाए यह सत्ता पर विश्वास करने वाले बेरोज़गार युवाओं के साथ विश्वासघात है या नहीं ? देश के जिन मतदाताओं ने अपने भविष्य के सुनहरे सपने संजोते हुए सत्ता सुख भोगने का अवसर दिया, उनके सपनों को चकनाचूर करना भारतीय मतदाताओं के साथ एहसान फ़रामोशी करना नहीं तो और क्या है ? जब देश का अन्नदाता अपनी ज़मीन व अपने अस्तित्व को बचाने के लिए आंदोलनरत हो और सत्ताधीश उन पर देश विरोधी,ख़ालिस्तानी जैसे न जाने कितने आक्षेप मढ़ने लगें वह देश के लोगों का अपमान है या नहीं ? जब सैकड़ों किसान इसी आंदोलन के दौरान दम तोड़ने लगें और कई किसान निराश होकर आत्म हत्या तक करने पर उतारी हो जाएं दूसरी तरफ़ सत्ता के पास उनके परिजनों लिए शोक व संवेदना के दो शब्द कहने और उनको श्रद्धांजलि देने तक की फ़ुरसत न हो यह पूरे देश के किसानों के अपमान की श्रेणी में आता है या नहीं ? मंहगाई कम होने की आस में बैठी आम, मध्यम व ग़रीब वर्ग की देश की जनता को इधर उधर लाने ले जाने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली पैसेंजर ट्रेन्स के किरायों में दो और तीन गुना वृद्धि कर दी जाए, यह क्या उत्तर तो क्या दक्षिण बल्कि पूरे देश लोगों के साथ धोखा व उनकी उम्मीदों का अपमान नहीं तो और क्या ? परन्तु राहुल गांधी का कथन शायद इन्हें उपरोक्त अपमानजनक परिस्थितियों से कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण नज़र आता है।

सारा ने बालीवुड में बनाई अलग पहचान

मुंबई । नवागत ऐक्ट्रेस सारा अली खान ने बालीवुड में अपनी एक खास जगह बना ली है। अब सारा की तुलना ऐक्ट्रेस? अनन्या पांडेय और जाह्नवी कपूर के साथ होने लगी है। फैंस को इन तीनों ही एक्ट्रेस की फिल्मों का बेसब्री से इंतजार रहता है। तीनों ही बॉलिवुड की ऐसी यंगेस्ट ऐक्ट्रेसेस में शुमार हैं जिनकी फिल्में देखने को फैंस बेताब रहते हैं। हालांकि इन ऐक्ट्रेसेस की मानें तो यह आपस में कंपैरिजन जैसा कुछ भी नहीं मानतीं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान जब सारा अली खान से अनन्या पांडेय और जाह्नवी कपूर के बारे में बात की गई तो सारा ने कहा कि किसी भी तरह की तुलना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसे कंपैरिजन का कोई सेंस नहीं बनता है। ऐक्ट्रेस सारा अली खान ने कहा कि वह अनन्या या फिर जाह्नवी के साथ किसी भी तरह का कंपैरिजन फील ही नहीं करती। वह महज अपने काम पर फोकस करती हैं। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास केवल अपना बेस्ट देने का होता है। सारा ने कहा कि वह अनन्या और जाह्नवी के लिए हमेशा विश करती हैं कि वह अपने काम में बेस्ट परफॉर्म करें। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह भी उनके लिए बेस?ट विश

करती होंगी। सारा अली खान ने कहा कि हम तीनों अच्छे दोस्त हैं। उम्मीद करते हैं कि सभी अपने-अपने मकाम पर सफलता पाएं। बस समझ यह नहीं आता कि लोग क?यों गाहे-बगाहे हमारी तुलना करते रहते हैं। सारा ने कहा कि हम तीनों अलग-अलग हैं। तीनों का काम अलग-अलग है। ऐसे में किसी कंपैरिजन को कोई मतलब नहीं बनता। वैलेंटाइन डे पर रिलीज हो रही फिल?म %लव आज कल% में सारा अली खान ऐव?टर कार्तिक आर्यन के साथ नजर आएंगी। यह साल 2009 में आई फिल?म %लव आज कल% का सीक?वल है। इस फिल?म में लीड ऐक?टर सारा अली खान के फादर सैफ अली खान थे।

इम्तियाज बोले जोई के लिए सारा ही पहली पंसद

हाल में सारा और कार्तिक आर्यन की मुख्य भूमिकाओं वाली फिल्म %लव आज कल% का ट्रेलर रिलीज हुआ है, इस काफी पसंद किया जा रहा है। इम्तियाज अली के डायरेक्शन में बनी फिल्म में सारा एक लीड रोल जोई का किरदार निभा रही हैं। इस मूवी को इम्तियाज अली की 2009 वाली फिल्म का फॉलोअप माना जा रहा है जिसमें सैफ अली खान और दीपिका पादुकोण लीड रोल में थे। अब इस फिल्म में सैफ की बेटी सारा लीड रोल में हैं। इस बारे में इम्तियाज अली ने कहा कि सारा में ऐसी क्षमता है कि वह हिरोइनों की इमेज बदल सकती हैं। उन्होंने कहा, %जोई का किरदार मेरे लिए खास है। वह एक ऐसी लड़की है जो इमोशनली बहुत नाजुक है लेकिन वह मॉडर्न लड़की है जो अपनी भावनाओं को जाहिर नहीं करना चाहती है। वह अपने दिमाग और दिल के बीच उलझी हुई है। वह अपनी पर्सनल और प्रफेशनल लाइफ के बीच भी उलझ जाती है। सारा की तारीफ में इम्तियाज ने कहा,सारा को इमोशंस की गहरी समझ है। उनका लुक, वॉइस, बोलने का तरीका और हर तरह से बिल्कुल सटीक हैं जो उन्हें एक बेहद उम्दा नैचरल अभिनेत्री बनाती हैं। सारा में वह सबकुछ है जिससे वह परंपरागत इंडियन हिरोइन की इमेज को बदल सकती हैं।

कंगना ने थलाइवी के सेट पर मनाया जश्न

चेन्नई। कंगना रनौत को एक साथ दो-दो खुशखबरी मिली हैं। पहले तो उनकी हालिया रिलीज फिल्म पंगा बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है और दूसरी तरफ उन्हें पद्म श्री पुरस्कार देने की घोषणा की गई। कंगना रनौत ने अपनी अपकमिंग फिल्म थलाइवी के सेट पर इन दोनों खुशखबरों को जश्न मनाया। ऐक्ट्रेस की बहन रंगोली चंदेल ने अपने ट्विटर हैंडल पर जश्न की तस्वीर शेयर की हैं। चेन्नई में फिल्म थलाइवी के एक गाने की रिहर्सल कर रहीं कंगना रनौत के लिए सरप्राइज सेलिब्रेशन के लिए फिल्म के सेट व्यवस्था की गई थी। ऐक्ट्रेस ने फिल्म के सेट पर थलाइवी की टीम के साथ केक काटा। इस दौरान उन्होंने मरून कलर का सूट पहना हुआ था। पद्म श्री मिलने की घोषणा के बाद खुशी जाहिर करते हुए कंगना रनौत ने कहा कि मैं ये सम्मान पाकर काफी विनम्र हूं। मैं भारत सरकार और अपने फैंस की आभारी हूं। मैं अपने देश को धन्यवाद करना चाहूंगी जो सम्मान उन्होंने मुझे दिया। यह पुरस्कार मैं हर उस महिला को समर्पित करना चाहूंगी जो सपनों को पूरा करने की हिम्मत रखती हैं। इसके साथ ही यह पुरस्कार हर उस बेटी, मां और औरत के लिए है जो इस देश को बेहतर बनाने में मददगार हैं। बता दें कि कंगना रनौत अलावा एकता कपूर और करण जौहर को भी पद्म श्री देने की घोषणा हुई है।

कंगना बोली एक्टर होना एक प्रिवलेज जॉब

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने देश में एक प्रिवलेज जॉब को एक्टर होना कहा है जबकि फिल्म मेकर्स की जो कीमत होनी चाहिए वह नहीं होती है। बता दें ?कि उन्होंने अपनी फिल्म ÷पंगा÷ के प्रमोशन पर ÷मणिकर्णिका = द क्वीन ऑफ झांसी÷ फिल्म के समय हुए विवाद पर टिप्पणी करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, ÷कोई पंगा नहीं था। निर्देशक ने फिल्म छोड़ दी थी और मैंने इसे पूरा किया। बस यही हुआ था। यदि मैंने अपने प्रड्यूसर और स्टूडियो की मदद की तो इस चीज के लिए मेरा सम्मान होना चाहिए। लोगों को देखना चाहिए कि मैं जिम्मेदार व्यक्ति हूं। मेरी आलोचना की गई और मैं इसके लिए हैरान हूं÷ कंगना ने आगे कहा, ÷मुझे लगता है कि एक्टर होना बेहद प्रिवलेज जॉब है। अश्विनी भी मेरी बात से सहमत होंगे और मैं माफी के साथ यह कहना चाहती हूं कि हमारे देश में एक निर्देशक के रूप में जैसी मेकर्स की कीमत की जानी चाहिए वैसी होती नहीं है। यह इंडस्ट्री केवल एक्टर्स के लिए है।÷ बता दें ?कि ?फिल्म पंगा का निर्देशन अश्विनी अय्यर तिवारी ने किया है।

शालीना नथानी के लिए सबसे स्टाइलिश स्टार है शाहरुख

बॉलीवुड की सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट शालीना नथानी का मानना है कि स्टाइल वह है, जिससे फैशन बनता है। आप वास्तविक जीवन में जो भी पहनते हैं वह स्क्रीन पर काफी अलग दिखता है। ईमानदारी से कहूं तो मेरे लिए शाहरुख खान सबसे ज्यादा स्टाइलिश इंसान हैं। हर दिन वो जिस तरह कपड़े पहनते हैं मुझे उसका तरीका पसंद है। उनका व्यक्तिगत स्टाइल शानदार है। उन्हें ब्लू जींस के साथ, सफेद टी-शर्ट, कूल जैकेट और एक बेहतरीन स्नीकर का जोड़ा बहुत

पसंद है। मुझे कपड़ों और लोगों के बारे बस इतनी दिलचस्पी है कि वे कैसे अलग-अलग तरीके से उसे पहनते हैं। जैसे एक सफेद शर्ट है, लेकिन मुझे दिलचस्पी इस बात में है कि लोग उसे किस तरह पहन रहे हैं। कहने का अर्थ है कि वे कैसे शर्ट के बाजुओं को मोड़ते हैं उसके साथ क्या एससरीज पहनते हैं। मेरे लिए हर सर्दी के हर मौसम का ट्रेंड इस बात पर निर्भर करता है कि आप ने कपड़ों की लेयरिंग कैसे की है।

आलिया भट्ट ने दी कंगना रनौत को बधाई

हाल में बॉलिवुड की %क्वीन% कंगना रनौत को पद्म श्री अवॉर्ड दिए जाने की घोषणा हुई थी। इसके बाद से ही फैन्स और फिल्म इंडस्ट्री के लोग कंगना रनौत को बधाइयां दे रहे हैं। अब इस लिस्ट में एक और नाम जुड़ गया है। दरअसल अब आलिया भट्ट ने भी कंगना रनौत को पद्म श्री मिलने की बधाई दी है। उन्होंने एक नोट और फूल भेजकर बधाई दी है। कंगना की बहन रंगोली ने एक आलिया के नोट और फूलों की तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर कर इस बात की जानकारी दी है। रंगोली ने ट्वीट कर कहा, %ये देखो आलिया जी ने भी कंगना को फूल भेजे हैं, कंगना का पता नहीं मगर मुझे बहुत मजा रहा है।% कंगना को बधाई भेजने पर ट्विटर यूजर्स भी आलिया की तारीफ कर रहे हैं।

करण ने माना मेरे जीवन की सबसे बड़ी भूल थी के3जी

मुंबई । फिल्ममेकर करण जौहरको उनकी बेहतरीन फिल्मों की ही तरहइस उनके बेबाक अंदाज के लिए भी जाना जाता है। हाल ही में एक टॉक शो के दौरान करण जौहर ने अपनी फिल्म के3जी यानी कि कभी खुशी कभी गम को लेकर कहा कि इस फिल्म का निर्माण उनके जीवन की सबसे बड़ी भूल थी। करण ने कहा यह फिल्म उनके मुंह पर तमाचे की तरह थी। करण जौहर ने कहा जब वह यह फिल्म बना रहे थे, तो उन्हें लगा कि वह हिंदी सिनेमा की बेहतरीन और यादगार फिल्म बना रहे हैं। इस काम के लिए उन्हें अरसे तक याद रखा जाएगा। मसलन मुगल-ए-आजम, आमिर खान की लगान और फरहान अतर की दिल चाहता है जैसा ही कुछ। करण जौहर ने कहा कि के3जी में उन्होंने स्टोरीलाइन कभी कभी से ली। इसके अलावा हम आपके हैं कौन से उन्होंने फैमिली वैल्यूज को लिया था। उन्होंने कहा कि उम्मीद थी कि यह फिल्म लोगों को हमेशा याद रहेगी। हकीकत इससे इतर रही है और यह फिल्म उनके मुंह पर तमाचे जैसी लगी। करण जौहर ने कहा कि फिल्म को लेकर काफी खराब रिस्पांस मिला था।

स्क्रीनिंग पर सनी कौशल के साथ नजर आईं कटरीना

मुंबई । हाल ही में एक्ट्रेस कटरीना कैफ विकी के भाई सनी कौशल के आने वाले एक शो की स्पेशल स्क्रीनिंग में पहुंचीं हैं। बता दें ?कि विकी के भाई सनी जल्द ही एक वेब सीरीज में नजर आएंगे, जिसकी हाल ही में एक स्क्रीनिंग रखी गई। स्क्रीनिंग में सभी की नजरें कटरीना पर ही टिकी हुई थीं। इस दौरान डायरेक्टर कबीर खान भी वहां पहुंचे थे। बता दें ?कि शो में कटरीना ने डेनिम आउटफिट पहना था। खुले-लहराते बाल और हल्के मेकअप के साथ चेहरे पर स्माइल लिए कटरीना लोगों के दिलों पर छुरियां चला रही थीं। बता दें ?कि विकी और कटरीना के अफेयर के चर्चे तब शुरू हुए जब पिछले साल दोनों दिवाली की पार्टी में एक साथ नजर आए थे। इसके बाद दोनों कई और इवेंट्स व पार्टियों में एक साथ नजर आए हैं। हालां?कि अब इंटजार ?किया जा रहा है कि दिनों कब अपने रिलेशनशिप को ऑफिशल करते हैं। वहीं वर्कफ्रंट पर कटरीना जल्द ही अक्षय कुमार के ऑपोजिट रोहित शेट्टी की फिल्म ÷सूर्यवंशी÷ में नजर आने वाली हैं। फिल्म 27 मार्च को रिलीज होगी और इसमें अजय देवगन, रणवीर सिंह, निकितन धीर, नीना गुप्ता और गुलशन ग्रोवर जैसे स्टार्स भी नजर आएंगे।

किसानों की मेहनत मध्यप्रदेश को फिर बनाएगी सिरमौर - मुख्यमंत्री चौहान

गेहूँ उपार्जन, परिवहन और भंडारण की अग्रिम व्यवस्थाएँ हुई

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि इस बार पुनरू मध्यप्रदेश के किसानों की मेहनत रंग लाएगी और गेहूँ उपार्जन में प्रदेश पुनरू देश में अव्वल होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमारे अन्नदाता किसानों को राज्य सरकार हरसंभव मदद कर रही है। रबी विपणन 2021-22 में किसानों की फसल को समर्थन मूल्य पर खरीदने के लिये पुख्ता इंतजाम किये जा चुके हैं, जिससे किसानों को अपनी उपज का विक्रय करने में कठिनाई का सामना न करना पड़े। किसानों की सहूलियत के लिये इस बार भी ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन की व्यवस्था की गई है। पोर्टल पर अभी तक 21 लाख से अधिक किसानों ने पंजीयन करवाया है। पंजीयन का कार्य प्रदेश के 3518 केन्द्रों पर किया गया है। साथ ही गिरदावरी किसान एप, कॉमन सर्विस सेंटर और कियोस्क केन्द्रों पर भी किसानों को पंजीयन की सुविधा उपलब्ध करवाई गई। उपार्जन व्यवस्थाओं में यह प्रयास भी किया गया कि कोई भी किसान पंजीयन से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इस वर्ष भी प्रदेश के 4500 खरीदी केन्द्रों पर गेहूं उपार्जन का कार्य किया जाएगा। खरीदी कार्य में स्व-सहायता समूहों, एफपीए और एफपीसी को भी शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि समर्थन मूल्य पर गेहूँ की खरीदी के साथ उसके भंडारण और परिवहन की पुख्ता व्यवस्थाएँ की जा रही हैं। उपार्जन केन्द्रों पर गेहूँ खरीदी का कार्य मार्च माह से शुरू किया जाएगा। इसके लिये तय किया गया है कि इंदौर और उज्जैन में 22 मार्च से और शेष अन्य जिलों में एक अप्रैल से गेहूं उपार्जन शुरू किया जाएगा। इस वर्ष लगभग एक करोड़ 25 लाख मीट्रिक टन गेहूँ और 20 लाख मीट्रिक टन दलहन एवं तिलहन उपार्जन का अनुमान है। उपार्जित स्कन्धों के शीघ्र परिवहन एवं भंडारण की व्यवस्थाएँ भी सुनिश्चित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में रबी विपणन वर्ष 2020-21 में समर्थन मूल्य पर एक करोड़ 29 लाख मीट्रिक टन गेहूँ उपार्जन का जो इतिहास रचा गया, उसके मूल में किसानों की कड़ी मेहनत है। प्रदेश के किसानों ने मध्यप्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है, जिसकी सर्वत्र प्रशंसा भी हुई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना काल में प्रदेश के इतिहास में समर्थन मूल्य पर हुई रिकार्ड खरीदी में सरकार द्वारा की गई चाक-चौबंद व्यवस्थाओं ने भी उल्लेखनीय भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण में कृषि क्षेत्र की अहम भूमिका है। कृषि क्षेत्र में आत्म-निर्भरता के लिये प्रदेश के किसानों के हित में खेती को लाभ का धंधा बनाने और किसानों की आय को दोगुना करने के लिये अनेक नवाचार किये गये हैं। राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है कि कृषि का उत्पादन बढ़े, उत्पादन की लागत कम हो और किसानों को अधिक से अधिक लाभ मिले। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि प्राकृतिक आपदा के दौरान किसानों की फसलों को होने वाले नुकसान की पर्याप्त क्षतिपूर्ति हो सके, इसके लिये प्रावधानों में संशोधन भी किया गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि किसानों को समय पर खाद-बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए सिंचाई के लिये पानी और बिजली की व्यवस्थाएँ की गई हैं। कोरोना काल में जब सभी गतिविधियाँ प्रायरू बंद हो रही थी, उस समय विभिन्न योजनाओं में ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक रूप से जल-संरचनाओं का निर्माण करवाया गया। इससे जहाँ एक ओर स्थानीय लोगों को कोरोना काल में रोजगार मिला, वहीं दूसरी ओर भू-जल स्तर में बढ़ोत्तरी होने से किसानों को सिंचाई के लिये पानी की सहज उपलब्धता भी सुनिश्चित हुई। प्रदेश में बड़ी एवं लघु सिंचाई योजनाओं पर भी युद्ध स्तर पर कार्य हुआ, जिसका लाभ किसानों को मिला। किसानों को आर्थिक रूप से संबल प्रदान करने के लिये मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना भी शुरू की गई। इस योजना में अब तक 57 लाख 50 हजार से अधिक पात्र किसानों को दो-दो हजार के मान से लगभग 1150 करोड़ रूपये का भुगतान ऑनलाईन किया गया है।

मुख्यमंत्री चौहान ने स्व. नंदकुमार सिंह चौहान की स्मृति में पौधा रोपा

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने प्रतिदिन पौधा लगाने के संकल्प की कड़ी में आज श्यामला हिल्स स्थित स्मार्ट सिटी पार्क में स्वर्गीय नंदकुमार सिंह चौहान की स्मृति में पौधारोपण किया। उन्होंने आज करंज का पौधा लगाया। करंज एक बहुउद्देशीय सदाबहार वृक्ष है। इसकी लकड़ी किसानों के रोजमर्रा में काम आने वाले कृषि औजारों, घरेलू कार्यों एवं ईंधन के काम में लायी जाती है। करंज एक ऐसा पौधा है, जिससे प्राप्त होने वाले तेल को बायो-डीजल के रूप में उपयोग में लाने की प्रबल व अपार सम्भावनाएँ दिखती हैं।

महंगाई की मारः

सब्जी सस्ती लेकिन महंगी दाल, रसोई गैस ने बिगाड़ा जायका

भोपाल। सब्जी के दाम कम होने के बाद भी महंगी दाल और रसोई गैस में खाने का जायका बिगाड़ दिया है। जनवरी माह की अपेक्षा इस माह खाने की थाली पर औसत 15 रुपए का खर्च बढ़ गया है। हालांकि व्यापारी अगले 15 दिनों में सब्जी के दामों में और कमी आने की बात कह रहे हैं इससे लोगों को महंगाई से थोड़ी राहत मिलेगी। लेकिन अप्रैल तक दाल और रसोई गैस के दामों में कमी आने की संभावना बेहद कम है। लिहाजा अभी महंगाई लोगों का पीछा नहीं छोड़ेगी। बीते 12 दिनों में सब्जी के दामों में कमी आई है। लेकिन आलू, टमाटर और मटर को छोड़कर बाकी सब्जियों के दामों में विशेष अंतर नहीं आया है। प्याज के दाम पिछले माह की अपेक्षा 10 रुपए प्रति किलो बढ़ गए हैं। जबकि गोभी, मूली, नींबू और गाजर के दाम लगभग स्थिर बने हुए हैं। हालांकि दालों के दाम बढ़ने से सब्जी के दामों में आई कमी का ज्यादा फर्क भोजन की थाली पर नहीं पड़ा है। उस पर रसोई गैस के दाम बढ़ने के कारण भोजन की थाली का खर्च पिछले माह की अपेक्षा करीब 15 रुपए बढ़ गया है। पिछले माह तक जिस थाली पर 40 रुपए का खर्च आता था। उस पर अब 55 रुपए का खर्च आ रहा है। 4 सदस्यों के एक परिवार को रोजाना एक समय के भोजन में ढाई सौ ग्राम सब्जी, इतना ही आटा, डेढ़ सौ ग्राम चावल तथा 50 ग्राम दाल की जरूरत होती है। इस लिहाज से दो वक्त के भोजन में करीब आधा किलो सब्जी, 300 ग्राम चावल, 100 ग्राम दाल तथा आधा किलो आटा की जरूरत होगी। इसके अलावा रसोई गैस के खर्च को जोड़कर भोजन की एक थाली पर करीब 55 रुपए। का खर्च आएगा। लिहाजा 4 सदस्यों के एक परिवार पर दो वक्त के भोजन पर करीब 160 रुपए का अतिरिक्त बोझ बढ़ गया है।

मौसम विभाग ने जारी किया पूर्वानुमान

अप्रैल-मई में बार-बार बदलेगा मौसम

भोपाल । मार्च से मई तक इस बार पूर्वी मध्य प्रदेश की तुलना में पश्चिमी मप्र की रातें ज्यादा गर्म रहेंगी। दिन पूर्वी मप्र के गर्म रहेंगे। यह पूर्वानुमान मौसम विज्ञान विभाग ने जारी किया है। प्रशांत महासागर में लानिना सक्रिय है इसलिए इस बार आंधी-तूफान ज्यादा आएंगे। पूर्वानुमान के मुताबिक पश्चिमी मप्र के 6 संभाग ग्वालियर, चंबल, इंदौर, होशंगाबाद, उज्जैन और भोपाल का दिन का तापमान गर्मियों के सीजन में इस बार औसत से आधा डिग्री तक अधिक रहेंगे। रात का तापमान एक डिग्री तक औसत से अधिक बढ़ने का अनुमान है। यानी दिन से ज्यादा इस बार रात ज्यादा गर्म रहेंगी। वहीं पूर्वी मप्र के अंतर्गत शहडोल, जबलपुर, रीवा और सागर संभाग के जिलों का दिन का तापमान 1 डिग्री तक औसत से अधिक रहेगा जबकि रात का तापमान आधा डिग्री तक औसत से अधिक रहने का अनुमान है। इस बार ग्वालियर-चंबल संभाग में लू कम झुलसाएगी। अप्रैल में सामान्य तौर पर 7 से 10 दिन तो मई में 10 से 15 दिन तक ग्वालियर सहित अंचल के जिलों में लू चल सकती है। इस बार लू के थपेड़ों की मार इसलिए कम झेलनी पड़ेगी, क्योंकि इस बार गर्मियों लानिना सक्रिय है, जिस कारण आंधी-तूफान की घटनाएं अधिक होंगी वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक कहते हैं कि वेद प्रकाश सिंह वर्तमान में भूमध्यरखीय प्रशांत महासागर में मध्यम लानिना सक्रिय है।

सिंचाई सुविधाओं में वृद्धि से किसानों को उत्पादन दोगुना करने में मदद मिलेगी : जल संसाधन मंत्री सिलावट

भोपाल। जल संसाधन मछुआ कल्याण और मत्स्य विकास मंत्री तुलसी राम सिलावट ने विधान सभा में प्रस्तुत हुए बजट को शानदार और बेहतरीन बजट बताते हुए कहा की म.प्र. सरकार का बजट प्रदेश के विकास के लिए नए आयाम स्थापित करने में मील का पत्थर साबित होगा। इस बजट ने कोरोना महामारी के समय प्रदेश और जनता को तरक्की की नई राह दिखाई है। आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश बनाने लिए यह बजट प्रदेश की जनता की उम्मीदों पर खरा उतरेगा और युवाओं को स्व-रोजगार के नए अवसर प्रदान करेगा। किसानों की आय को दोगुना करने के लिए प्रदेश में सिंचाई का क्षेत्र 65 लाख हेक्टेयर करने का लक्ष्य रखा गया है। बजट में 1 लाख 27 हजार हेक्टेयर क्षेत्र की 164 नवीन सिंचाई परियोजनाएँ सम्मिलित की गई है। जल संसाधन विभाग का बजट इस वर्ष 6 हजार 436 करोड़ रूपये प्रस्तावित किया गया है। मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए 4 लाख 33 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में मछली पालन किया जा रहा है और मछुआरों की आय को दोगुना करने के लिए योजना लाए जाने की ऐतिहासिक पहल की गई है। शिक्षा

कोरोना महामारी में भी आम जनता की भावना के अनुरूप बेहतरीन बजट है

को बेहतर करने के लिए प्रदेश के स्कूलों के विकास के लिए 1500 करोड़ रूपये बजट का प्रावधान किया गया है। सीएम राइजिंग स्कूल के तहत 9 हजार 200 स्कूल खोले जाने से छात्र - छात्राओं को और बेहतर शिक्षा के अवसर मिलेंगे। प्रदेश में नए मेडिकल कॉलेज की घोषणा से बच्चों को स्वास्थ क्षेत्र में नए अवसर मिलेंगे। एमबीबीएस की सीटे भी बढ़ाई गई है, इससे प्रदेश को बेहतर डॉक्टर उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना शुरू होने से बुजुर्ग माता पिता का आशीर्वाद प्रदेश की जनता और सरकार को मिलेगा। किसानों को शून्य ब्याज दर पर 1 हजार करोड़ रुपए की राशि के प्रावधान से कृषि क्षेत्र में विकास की नई राह खुलेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में जल-जीवन मिशन से हर घर में शुद्ध जल उपलब्ध होगा। बजट में 4500 मेगावाट के नए सोलर पार्क की स्थापना ऊर्जा के क्षेत्र में ग्रीन और क्लीन ऊर्जा की और बेहतर कदम है। प्रदेश में 2 हजार 400 किमी से अधिक नई सड़कों को बनाने के प्रावधान से रोजगार, आधारभूत संरचना का निर्माण और उस क्षेत्र के विकास के नए अवसर उपलब्ध होंगे।

हरि प्रसाद पाल / 02 मार्च, 2021

भगवान श्री कृष्ण से बड़ा दयालु कोई नही- साध्वी वैष्णवी

भोपाल। रतनपुर शिव मंदिर में चल रही भागवत कथा के तृतीय दिवस कथा वाचक साध्वी वैष्णवी जी ने राजा परिक्षित के मोक्ष प्रसंग का

वर्णन किया। आयोजक राखी परमार ने बताया कि साध्वी जी ने कथा को विस्तार से सुनाते हुए कहा कि सात दिवस तक कथा सुनने के प्रभाव से राजा परिक्षित को मोक्ष प्राप्त होता है। श्रंगी ऋषि के श्राप को पूरा करने के लिए तक्षक नामक सांप भेष बदलकर राजा परिक्षित के पास पहुंचकर उन्हें डंस लेता है और जहर के प्रभाव से राजा का शरीर जल जाता है और मृत्यु हो जाती है। उन्होने कहा कि भगवान श्री कृष्ण से बडा दयालु कोई नही क्योंकि जो पूतना दूध की जगह जहर पिलाकर उनका वध करने आई थी भगवान ने उस पूतना के स्तन पान कर उसे भी मुक्ति प्रदान की। बुधवार को कथा स्थल पर कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जायेगा, सभी श्रद्धालु पीले वस्त्र पहनकर नंदलाला के जन्म की खुशी का उत्सव मनायेंगे और उन्हें दूध, दही, माखन मिश्री का भोग लगाया जायेगा। देवेन्द्र पटेल विधायक उदयपुरा, निशंक जैन पूर्व विधायक गंज बासौदा, राजाराम पाटीदार टीवी प्राड्यूसर, राजू तिवारी, सवाई सिंह पूर्व सरपंच, मुख्य संरक्षक- नारायण सिंह परमार, अर्जुन सिंह परमार, हरि पाटीदार, सोभाराम परमार, गजराज सिंह परमार, प्रेम नारायण परमार, संजीव परमार, प्रमोद सिंह परमार, श्रीमती रेखा सिंह परमार, सवई सिंह परमार, महेन्द्र सिंह परमार, संदीप सिंह परमार, धर्मेन्द्र सिंह परमार, संदीप, योगेश, रवि, शंकर, भूपेन्द्र, संतोष, सुमित , हनुमत, सुनील शैलेन्द्र, जशरथ, दिनेश, सोनू, आयुष, सहित क्षेत्रीय रहवासी एवं श्रद्धालु शामिल हुए।

-राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य में घडियालों की संख्या पहली बार 2 हजार पार

चंबल में 10 साल में दो गुना बढ़ गया घड़ियालों कुनबा

भोपाल । जलीय जीवों में विलुप्त होती घड़ियाल प्रजाति के संरक्षण के लिए 43 साल पहले बनाए चंबल अभयारण्य में घड़ियालों का कुनबा लगातार बढ़ रहा है। यही वजह है कि देशभर की अन्य नदियों के मुकाबले चंबल में घड़ियालों की संख्या सबसे ज्यादा है। यहां बीते 10 सालों में घड़ियालों की संख्या दो गुनी से भी ज्यादा बढ़ी है। यही वजह है कि इस बार हुई गणना में चंबल में 2176 घड़ियाल मिले हैं। ये पहली बार है, जब चंबल में घड़ियालों की संख्या 2 हजार के पार हुई है। राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य में गत 2 फरवरी से 16 फरवरी तक श्योपुर से भिंड जिले तक चंबल नदी में जलीय जीवों का वार्षिक सर्वे किया गया। जिसमें घड़ियालों की संख्या में गत वर्ष के मुकाबले 317 की वृद्धि हुई है। विशेष बात यह है कि वर्ष 2012 में चंबल में 905 घड़ियाल थे, जो अब बढ़कर 2176 हो गए हैं, यानि बीते 10 साल में 140 फीसदी (दो गुने से भी ज्यादा) की वृद्धि हो गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक चंबल का साफ पानी और बेहतर हेबीटेट क्षेत्र घड़ियालों को रास आ रहा है, जिसके चलते विलुप्त होती ये प्रजाति अब संरक्षित हो रही है। विलुप्त होती घड़ियालों की प्रजाति के संरक्षण के लिए केंद्र सरकार ने वर्ष 1978 में चंबल नदी में राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल अभयारण्य की स्थापना की गई। इसमें श्योपुर जिले के पाली घाट से मुरैना और भिंड होते हुए यूपी के चकरनगर तक 435 किलोमीटर का हिस्सा आता है। बताया गया है कि जिस समय चंबल अभयारण्य की स्थापना हुई, उस समय यहां घड़ियालों की संख्या 100 से भी नीचे थे, लेकिन अब 43 सालों बाद ये 2176 पर पहुंच गई है। चंबल अभयारण्य में घड़ियाल सहित अन्य जलीय जीवों के सर्वे की शुरुआत वर्ष 1983 में हुई। बताया गया है कि तत्समय में रिसर्च ऑफिसर डॉ. एलएके सिंह ने न केवल सर्वे की शुरुआत की, बल्कि जलीय जीवों के सर्वे का प्रोटोकॉल भी तय किया। बताया गया है कि तत्समय ही मुरैना में देवरी घड़ियाल संरक्षण केंद्र स्थापित किया गया, जो मध्यप्रदेश का एकमात्र घड़ियाल केंद्र है। इस केंद्र पर घड़ियालों के अंडों को सहेज कर बच्चों का तीन साल तक संरक्षण किया जाता है और फिर उन्हें चंबल में छोड़ा जाता है।

बीते 10 सालों में चंबल में घड़ियालों की संख्या वर्ष घड़ियाल

2021 2176,
2020 1859
2019 1876
2018 1681
2017 1255
2016 1162
2015 1151
2014 1088
2013 948
2012 905 i

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच शास्त्री को लगा कोविड-19 टीका

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच रवि शास्त्री को यहां के अपोलो अस्पताल में कोविड-19 टीका लगाया गया है। टीके की पहली डोज के बाद शास्त्री ने चिकित्सा पेशेवरों का आभार व्यक्त किया। शास्त्री ने टीका लगवाते हुए अपनी तस्वीर भी ट्विटर हैंडल पर साझा भी की है। इस तस्वीर में वह टीम इंडिया की जर्सी पहने नजर आ रहे हैं, वहीं नर्स पीपीई किट पहनकर उन्हें टीका लगाती हुई नजर आ रही है। इस अवसर पर शास्त्री ने ट्वीट किया, %%कोविड-19 टीके का पहला चरण हुआ है। इस महामारी के खिलाफ भारत को सशक्त बनाने के लिए अद्भुत चिकित्सा पेशेवरों और वैज्ञानिकों को मेरा धन्यवाद। अहमदाबाद में कॉंताबेन और उनकी अपोलो की टीम से काफी प्रभावित हुआ, जिस तरह से वह कोविड-19 टीकाकरण को पूरा करने में लगे हैं।%% अब देखना होगा कि भारतीय टीम के खिलाड़ियों को कब टीका लगाया जाएगा। अभी भारतीय क्रिकेट टीम अहमदाबाद में है, जहां उसे इंग्लैंड के खिलाफ 4 मार्च से चार मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा और अंतिम मुकाबला खेलना है। कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी सोमवार को टीका लगाया गया था। प्रधानमंत्री को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में यह टीका लगाया गया।

रैना ने अनाथ बच्चों के साथ क्रिकेट खेला

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर सुरेश रैना सोमवार को नूंह जिले के गांव पीपाका में स्थित बाल गृह पहुंचे। रैना ने बाल गृह में अनाथ बच्चों से बात की। उन्होंने बच्चों और स्थानीय लोगों के साथ बाल गृह परिसर में लगभग एक घंटा क्रिकेट भी खेला। इसके बाद उन्होंने अनाथ बच्चों के लिए खाना भी बनाया। उन्होंने कहा कि वह समय-समय पर वह स्कूल व बालगृहों में जाते रहते हैं व बच्चों आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।रैना ने इस दौरान कहा कि इंग्लैंड की टीम ने भारत की पिच पर जो आरोप लगाए हैं वह आधारहीन है। भारतीय टीम जहां भी विदेशों में जाती है व जैसी पिच मिलती है उसी अनुरूप खेलती है। वहीं हारने के बाद इस तरह के आरोप लगाना समझ से परे है। इसी पिच पर अश्विन ने शतकीय पारी खेली है। उन्होंने कहा कि इस बार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम अच्छी है। ऐसे में सीएसके रोमांचक मुकाबले खेलेगी। उन्होंने कहा कि गत वर्ष हुए आईपीएल में वह अपने घरेलू कारणों से नहीं खेल पाए थे।

आईपीएल में विराट के साथ खेलने को लेकर उत्साहित हैं मैक्सवेल

वेलिंगटन। ऑस्ट्रेलियाई आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में उन्हें भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली के साथ खेलने का अच्छा अवसर मिलेगा । मैक्सवेल के अनुसार इस दौरान उन्हें विराट से खेल को लेकर काफी कुछ सीखने का भी अवसर मिलेगा। इसी लिए वह आईपीएल खेलने को लेकर उत्साहित हैं। मैक्सवेल के अनुसार विराट अभी विश्व के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में एक हैं और खेल के शीर्ष पर हैं। ऐसे में उनके साथ खेलना हर प्रकार से लाभकारी होता है। विराट की कप्तानी वाले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) ने मैक्सवेल को पिछले महीने ही नीलामी में 14.25 करोड़ रुपए देकर खरीदा है। आईपीएल 2020 में खराब प्रदर्शन के बाद से ही पंजाब किंग्स ने मैक्सवेल को 'रिलीज% कर दिया था। मैक्सवेल ने कहा, 'वह (कोहली) टेस्ट से लेकर टी20 तक सभी प्रारूपों में छाया हुआ है और पिछले कुछ समय से इस खेल में नंबर एक बना हुआ है।% उन्होंने कहा, 'वह हालातों के अनुसार अपने खेल को ढालता है, लंबे समय तक दबदबा बनाए रखता है।% इंडियन प्रीमियर लीग के अप्रैल के दूसरे सप्ताह में शुरू होने की संभावना है और इस ऑस्ट्रेलियाई आलराउंडर को उम्मीद है कि उन्हें इस दौरान भारतीय कप्तान से नेतृत्वक्षमता के गुण सीखने को मिलेंगे।कोहली आरसीबी में मैक्सवेल के कप्तान होंगे। इस 32 वर्षीय आलराउंडर ने कहा, 'मैं केवल मैच ही नहीं बल्कि अभ्यास को लेकर उनकी कार्यशैली को समझने को लेकर उत्सुक हूं। उम्मीद है कि मैं उनसे नेतृत्वकौशल के भी कुछ गुण सीखने में सफल रहूंगा।%

तो एशिया कप 2021 होगा स्थगित : मनी

नई दिल्ली। भारतीय टीम अगर इंग्लैंड को हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंची तो एशिया कप स्थगित होने के कारण श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश को बड़ा नुकसान हो

सकता है। इसका कारण यह है कि टीम इंडिया श्रीलंका में होने वाले एशिया कप में शायद ही हिस्सा लेगी क्योंकि इस दौरान वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेलेगी। भारत अगर एशिया कप में नहीं खेलता है तो दूसरे क्रिकेट बोर्ड और प्रसारणकर्ताओं को बड़ा आर्थिक नुकसान हो सकता है और यही वजह है कि इस टूर्नामेंट के स्थगित होने की बात सामने आ रही है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चीफ एहसान मनी ने कहा है कि अगर टीम इंडिया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच जाती है तो इस साल होने वाला एशिया कप 2023 तक स्थगित हो सकता है।

आईपीएल कार्यक्रम स्थलों से खुश नहीं फ्रेंचाइजियां

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 के सत्र का आयोजन 6 शहरों में रखने को लेकर कुछ फ्रेंचाइजियां खुश नहीं हैं।मुंबई के साथ ही चेन्नई, दिल्ली, बैंगलोर, अहमदाबाद और कोलकाता में इस बार आईपीएल मुकाबले खेले जा सकते हैं हालांकि बीसीसीआई का ये कदम कुछ फ्रेंचाइजियों को पसंद नहीं आया है। कुछ टीम मालिकों का मानना है कि आईपीएल का आयोजन 2 स्थानों पर आयोजित करना ज्यादा अच्छा था।उन्होंने ये भी कहा कि पिछले सीजन में टूर्नामेंट महज 3 स्थानों पर अच्छी तरह आयोजित हुआ। साथ ही टीम मालिकों ने ये भी कहा कि उन्होंने इस हिसाब से ही तैयारी शुरू कर दी थी कि इस बार आईपीएल 2021 मुंबई, पुणे और अहमदाबाद में ही होगा लेकिन अब योजना पूरी तरह बदल गई है। एक फ्रेंचाइजी मालिक ने कहा, %बिलकुल ये खतरनाक अनुभव है। महज 2 शहरों में आईपीएल 2021 का आयोजन करना ज्यादा अच्छा आइडिया था। साल 2020 में भी आईपीएल तीन जगहों पर आयोजित किया गया और वो सफल भी साबित हुआ। टीमों ने तैयारी शुरू कर दी थी, सभी को लग रहा था कि मुंबई, पुणे और अहमदाबाद में मैच होने हैं। अब सबकुछ बदल गया है। फ्रेंचाइजी जल्द जानना चाहेंगी कि होना क्या है।% खबरों के मुताबिक मुंबई में आईपीएल मैचों को हरी झंडी तो मिल चुकी है लेकिन वहां कोरोना के चलते मुकाबले खाली स्टेडियम में खेले जाएंगे।

आज से देशभर के शोरुम से शुरु होगी रेनाल्ट कीगर की डिलेवरी

नई दिल्ली। रेनाल्ट अपनी पहली सबकॉम्पैक्ट एसयूवी रेनाल्ट कीगर की बुधवार से डिलीवरी शुरू करने जा रही है। दरअसल कंपनी ने एसयूवी को पिछले महीने भारतीय बाजार में ही लांच कर दिया था, लेकिन तब इसकी डिलीवरी शुरू नहीं की गई थी। बता दें कि रेनाल्ट कीगर कंपनी के सीएमएफ-ए प्लेटफॉर्म पर काम करती है और भारतीय बाजार में शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 5.45 लाख रुपये है। रेनाल्ट कीगर दो इंजन ऑप्शन के साथ बाजार में उपलब्ध है। इनमें 1.0-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल और 1.0-लीटर टर्बो-चार्ज्ड पेट्रोल इंजन शामिल हैं। 3-सिलिंडर,1-लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन- इसका 999 सीसी का इंजन 5000 आरपीएम 100 पीएस और 2800-3600 आरपीएम पर 160 एनएम का पीक टॉर्क जेनरेट करता है। इसका इंजन 5-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन से लैस है। इसका 999 सीसी का इंजन 6250 आरपीएम 72 पीएस और 3500 आरपीएम पर 96 एनएम का पीक टॉर्क जेनरेट करता है। इसका इंजन 5-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन से लैस है। इसके अलावा इसमें 5-स्पीड इजी-आएएमटी का भी विकल्प मिलता है।

फरवरी माह में भारतीय ग्राहकों को अच्छी लगी टोयोटा की कारें, बिक्री 36 फीसदी बढ़ी

मुंबई । टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने फरवरी महीने की सेल्स रिपोर्ट जारी कर दी है। कंपनी ने बताया है कि फरवरी 2021 में उसके कुल 14,075 यूनिट्स की बिक्री हुई। जबकि, फरवरी 2020 में टोयाटा के कुल 10,352 यूनिट्स की घरेलू बाजार में बिक्री हुई थी। इसकी तुलना अगर पिछले साल के फरवरी महीने से करें,तब फरवरी महीने टोयोटा की बिक्री में 36 फीसदी की बढ़ोतरी आई है। हालांकि, इसकी तुलना अगर जनवरी 2021 से करें,तब इस दौरान कंपनी की बिक्री में 27 फीसदी की महीना दर महीना बढ़त दर्ज की गई है। बता दें कि जनवरी 2021 में टोयोटा की कुल 11,126 गाड़ियों की भारतीय बाजार में बिक्री हुई थी। टोयोटा इंडिया ने जनवरी 2021 में 11,126 यूनिट्स की भारतीय बाजार में बिक्री थी। जबकि, जनवरी 2020 में टोयाटा के कुल 5,804 यूनिट्स की घरेलू बाजार में बिक्री हुई थी। जनवरी महीने में कंपनी की बिक्री में 92 फीसदी की साल दर साल बढ़ोतरी दर्ज की गई थी।

50 हजार की किफायती इलेक्ट्रिक बाइक की डिलीवरी शुरू

ड्राइविंग लाइसेंस की नहीं पड़ेगी जरूरत, सिंगल चार्ज में चलेगी 100 किमी

नई दिल्ली । पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों के विकल्प के रूप में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती पूछ परख के बीच हैदराबाद की इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर स्टार्टअप कंपनी ऑटोमोबाइल प्रॉइवेट लि. ने बीते साल अपनी पहली इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल एटीयूएम1.0 को लॉन्च किया था। जिसे देश भर में महज 50,000 रुपये की शुरुआती कीमत पर पेश किया गया था। इस बाइक को लॉन्च के बाद से अब तक करीब 400 बुकिंग प्राप्त हो चुकी हैं। वहीं अब कंपनी ने इसकी डिलीवरी हैदराबाद में शुरू कर दी है। जानकारी के लिए बता दें, अटम 1.0 एक कैफे-रेसर स्टाइल इलेक्ट्रिक बाइक है, और इसकी पहली 10 यूनिट को ग्राहकों को सौंपा गया है। इस मोटरसाइकिल को इंटरनेशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी (आईसीएटी) द्वारा कम गति वाले इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर के रूप में प्रमाणित किया गया है, जो

कमर्शियल वाहन के रूप में पूरी तरह तैयार है।3 से 4 घंटे में होती है चार्ज एटीयूएम1.0 में एलईडी हेडलैम्प्स, एलईडी टेल लाइट्स, एलईडी टर्न इंडिकेटर्स, स्टाइलिश कैफे-रेसर डिज़ाइन, आरामदायक सीटें, गो-वेट फैट्स टायर, 280 मिमी का ग्राउंड क्लीयरेंस और इंस्ट्रूमेंट कंसोल के लिए ए ?क डिजिटल डिस्प्ले शामिल है। इस बाइक को ग्राहक सामान्य तीन-पिन सॉकेट का उपयोग करके कहीं भी चार्ज कर सकते हैं। जिसे फुल चार्ज होने में 3 से 4 घंटे का समय लगता है। बेहद कम है टॉप स्पीड- एटीयूएम 1.0 इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल में एक 48वी, 250वोल्ट इलेक्ट्रिक मोटर का प्रयोग किया गया है। जो एक पोर्टेबल लिथियम-आयन बैटरी पैक के साथ जोड़ा गया है। एटीयूएम1.0 पर मिलने वाला इलेक्ट्रिक पॉवरट्रेन सिंगल चार्ज में अधिकतम 100 किमी की ड्राइविंग रेंज देने का दावा करता है। वहीं यह इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल 25किमी/एच की टॉप स्पीड तक सीमित है। बिना डीएल के कर सकते हैं इस्तेमाल- हालांकि इस बाइक की खास बात यह है कि इसे खरीदनें के बाद रजिस्टर कराने की आवश्यकता नहीं है, और न ही इसे चलाने के लिए व्यक्ति को ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता है। वहीं इस बाइक का कुल वजन महज 108केजी है। जिसे किसी भी उम्र के व्यक्ति आसानी से इस्तेमाल कर सकते हैं।

कोई पानी, कोई जमीन तो कोई मकान की समस्या लेकर पहुँचा जन-सुनवाई में

कलेक्टर ने दिए निर्देश नगर निगम की टीम मौके पर पहुँचकर पेयजल समस्या हल करें

ग्वालियर। गोल पहाड़िया क्षेत्र की पेयजल समस्या का जल्द समाधान होगा। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने नगर निगम के अमले को मौके पर जाकर पेयजल समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को कलेक्ट्रेट में हुई जनसुनवाई में शहर के वार्ड-52 में स्थित गोल पहाड़िया क्षेत्र की एक बस्ती के निवासी पेयजल आपूर्ति की शिकायत लेकर पहुँचे थे। कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में इस बार लगभग 90 फरियादी पहुँचे। मंगलवार को कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में कोई पानी की, कोई जमीन तो कोई मकान संबंधी समस्या का आवेदन लेकर पहुँचा था। उप नगर ग्वालियर में स्थित एक बस्ती की महिला ने जन-सुनवाई में पहुँचकर शिकायत की थी कि बिल्डर द्वारा आवासीय कॉलोनी में बगैर परमिशन के भवन का विस्तार कर कॉमर्शियल उपयोग के लिये बेचा है, जिससे वहाँ के निवासियों को दिक्कतें

आ रही हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रकरण की जाँच कर संबंधित बिल्डर के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। जनसुनवाई में इलाज के लिए मदद की आस में पहुँचे फरियादियों की चिकित्सा का इंतजाम भी कलेक्टर श्री सिंह ने कराया। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री किशोर कान्याल, अपर कलेक्टर श्री आशीष तिवारी व श्री टी एन सिंह सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने जन-सुनवाई में पहुँचे सभी फरियादियों की एक-एक कर समस्यायें सुनीं और उनके आवेदनों के निराकरण की रूपरेखा तय की। कलेक्टर ने समय-सीमा में आवेदनों को निराकृत करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं।

भारत सरकार एवं राज्य शासन की भागीदारी से संयुक्त सेमीनार 5 मार्च को

जिले में खाद्य प्रसंस्करण की संभावनाओं को मूर्तरूप देने के लिये हो रहा है आयोजन

जिला पंचायत के सीईओ ने तैयारियों को लेकर ली संबंधित अधिकारियों की बैठक

ग्वालियर।

ग्वालियर जिले में खाद्य प्रसंस्करण की संभावनाओं को मूर्तरूप देने के उद्देश्य को लेकर भारत सरकार एवं राज्य शासन के खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा ग्वालियर में 5 मार्च को एक सेमीनार का आयोजन किया जा रहा है। 卐खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में साझेदारी से समावेशी विकास卐 (बिल्डिंग पार्टनरशिप फॉर इन्क्लूसिव ग्रोथ इन फूड प्रोसेसिंग सेक्टर) विषय पर यह सेमीनार इस दिन प्रातः 10 बजे होटल रेडीसन में आयोजित होगा। सेमीनार की तैयारी के सिलसिले में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री किशोर कान्याल ने मंगलवार को संबंधित अधिकारियों की बैठक ली।

खाद्य प्रसंस्करण संभावनाओं को मूर्तरूप देने के लिये इस सेमीनार में एमओयू भी संभावित है। सेमीनार की तैयारी को लेकर यहाँ कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कान्याल ने निर्देश दिए कि जिले में संचालित औद्योगिक इकाईयों से जुड़े निर्माता व प्रसंस्करण कर्ता (प्रोसेसर) की सहभागिता भी सेमीनार में सुनिश्चित की जाए। उन्होंने उद्यमियों, व्यापारियों एवं समूहों की सूची जल्द से जल्द उपलब्ध कराने को कहा। साथ ही जिले में पशुपालन की गतिविधियों को बढ़ावा देने की कार्ययोजना, दुग्ध उत्पादों की प्रोपर प्रोसेसिंग, मिल्क रूट, दुग्ध कलेक्शन सेंटर एवं उनकी क्षमता बढ़ाए जाने की रूपरेखा, प्रोड्यूसर्स एवं प्रोसेसर की सूची भी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिले के प्रमुख उत्पाद मसलन आलू, मटर, मिर्च, टमाटर व दुग्ध उत्पादों की वेल्यू एडीशन के लिये लघु औद्योगिक इकाईयों की स्थापना की कार्ययोजना सहित इन्वेस्टर्स और स्टेक होल्डर इस सेमीनार में भाग लेंगे। इनके अलावा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित सब्जी व फूल उत्पादन से जुड़े स्व-सहायता समूहों की सूची, स्टोन पार्क, रेडीमेड गारमेंट पार्क एवं अन्य औद्योगिक इकाईयों से संबंधित निर्माता एवं प्रोसेसर्स की सहभागिता सुनिश्चित करने को भी कहा गया है। सेमीनार में कृषि उपज मंडी समिति से जुड़े कारोबारी, बैंकर्स भी भाग लेंगे।

जिला पंचायत प्रशासकीय समिति की बैठक आज

ग्वालियर। जिला पंचायत की प्रशासकीय समिति की बैठक 3 मार्च को दोपहर 2 बजे जिला पंचायत के सभागार में प्रशासकीय समिति की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा यादव की अध्यक्षता में आयोजित होगी। प्रशासकीय समिति के सभी सदस्यों से बैठक में उपस्थित रहने का आग्रह किया गया है। साथ ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को भी बैठक में मौजूद रहने के निर्देश दिए गए हैं। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री किशोर कान्याल ने बताया कि प्रशासकीय समिति की बैठक में राजस्व, कृषि, खाद्य एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की गतिविधियों की समीक्षा की जायेगी। साथ ही बिजली आपूर्ति पर भी चर्चा होगी।

अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझी- बेटे ने दोस्त के साथ मिलकर की थी पिता की हत्या

ग्वालियर। पुरानी छावनी थाने के रायरु के पास तीन दिन पहले हुए एक किसान के अंधे कत्ल की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। किसान की हत्या उसके ही बेटे ने अपने दोस्त के साथ मिलकर की थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी बेटे पर 12 लाख रुपए का कर्ज है। इसे पटाने से मना करने पर उसने पिता की हत्या की थी। पुलिस के अनुसार पुरानी छावनी थाना क्षेत्र के रायरू निवासी पेशे से किसान राजेन्द्र राजपूत पुत्र रामरतन सिंह राजपूत की शव तीन दिन पहले रात करीब 1 बजे घर और खेत के बीच में तालाब के किनारे एक पड़ा मिला था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। प्रारंभिक पड़ताल में साफ हुआ था

कि किसान की गला घोंटकर हत्या की गई है। साथ ही सिर पर पत्थर भी पटका गया है। इस पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच की तो पुलिस को पता लगा कि उस दिन तालाब के पास मृतक का बेटा प्रमोद सिंह राजपूत और उसका दोस्त आशीष उपाध्याय देखे गए थे। प्रमोद की हिस्ट्री खंगाली तो पता लगा कि वह जुआ और नशे का आदी है। अभी उस पर काफी कर्ज है। इस पर पुलिस ने पहले प्रमोद के दोस्त आशीष उपाध्याय को उठाया। उसको थाना ले जाकर पूछताछ की तो उसने पूरी वारदात कुबूल कर ली। उसके बाद पुलिस ने प्रमोद को उसके घर से गिरफ्तार किया है। आरोपी प्रमोद ने पकड़े जाने के बाद पुलिस को बताया कि उस पर 10 से 12 लाख रुपए कर्जा हो गया था। वह लगातार पिता से जमीन बेचकर उसका कर्जा चुकाने के लिए कह रहा था। कर्जदार उसे परेशान कर रहे थे। पिता सुनने को तैयार नहीं था। इस पर घटना वाले दिन भी वह योना बनाकर करके गया था कि पिता मानते है तो ठीक है, नहीं तो हत्या कर देंगे। जब पिता से कर्जा पटाने के लिए कहा तो वह नहीं माने। इस पर आशीष ने उसके हाथ पकड़े और प्रमोद ने पिता गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाई प्रारंभ कर दी है।

गंदे पानी की समस्या के निराकरण के लिए ऊर्जा मंत्री ने कलेक्टर एवं निगमायुक्त से की चर्चा

ग्वालियर। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा है कि आम लोगों को स्वच्छ जल उपलब्ध कराना सरकार की पहली प्राथमिकता है। किसी भी क्षेत्र में गंदे पानी की शिकायत न मिले, इसके लिये निगम का अमला सजग रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करे। पानी वितरण के समय निगम के इंजीनियर अपने-अपने क्षेत्र में अनिवार्यतः भ्रमण करें। कहीं पर भी गंदे पानी की शिकायत मिलती है तो तत्काल उसे ठीक करने का कार्य किया जाए। उपनगर ग्वालियर स्थित जोशियाना मोहल्ला में गंदे पानी की समस्या के निराकरण के लिए प्रदेश सरकार के उर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह एवं नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा से दूरभाष पर चर्चा की तथा समस्या का आज ही निराकरण कराने के निर्देश दिए। उर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर आज विधानसभा में सरकार द्वारा प्रस्तुत किए जा रहे बजट सत्र में हैं, लेकिन वहां जैसे ही उन्हें उपनगर ग्वालियर के जोशियाना मोहल्ला में गंदे पानी की समस्या की जानकारी मिली उन्होंने तत्काल कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह एवं नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा से दूरभाष पर चर्चा की तथा कलेक्टर श्री सिंह को एसडीएम तथा निगमायुक्त को कार्यपालन यंत्री को मौके पर भेजकर तत्काल समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिए। मंत्री श्री तोमर के निर्देश पर निगमायुक्त श्री वर्मा ने कार्यपालन यंत्री श्री जागेश श्रीवास्तव एवं सहायक यंत्री श्री विष्णुपाल को मौके पर भेजकर तत्काल समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिए। जिस पर कार्यपालन यंत्री श्री जागेश श्रीवास्तव एवं सहायक यंत्री श्री विष्णुपाल सहित पूरा अमला मौके पर उपस्थित होकर समस्या का निराकरण करा रहा है।

मध्यप्रदेश के बजट में ग्वालियर को मिली बड़ी सौगात

ग्वालियर। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा मंगलवार 2 मार्च 2021 को प्रस्तुत किए गए बजट में ग्वालियर की स्वर्णरेखा नदी पर एलिवेटेड रोड बनाने के प्रस्ताव को बजट में शामिल करने से ग्वालियर को एक बड़ी सौगात मिली है। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं राज्यसभा सांसद श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ ही केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर और क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित किया है, जिनके प्रयासों से ग्वालियर को यह बड़ी सौगात मिली है।

बजट सर्वहारा वर्ग के हितों का संरक्षण नहीं करता: अशोक सिंह

ग्वालियर। मध्य-प्रदेश सरकार के वित्त-मंत्री जगदीश देवडा ने वर्ष 2021-22 का बजट पेश किया गया, इस बजट पर प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष अशोक सिंह ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा है कि बजट सर्वहारा वर्ग के हितों का संरक्षण नहीं करता है। बजट में गरीबों का ध्यान नहीं रखा गया है। कांग्रेस के नेता श्री सिंह ने कहा कि वित्त-मंत्री म.प्र. को आत्मनिर्भर बनाने की बात कर रहे हैं, मगर बजट में युवाओं व शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार देने की बात नहीं की जा रही है। ऐसे में म.प्र. को आत्मनिर्भर बनाने की बात करना बेईमानी होगी। श्री सिंह ने कहा कि बजट में किसानों और व्यापारियों को राहत नहीं दी गई है। सरकार शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने एवं नल-जल योजना को मूर्त रूप देने की बात कर रही है, जबकि आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की विकराल समस्या बनी हुई है। उन्होंने कहा कि टैक्स न बढायें जाने की बात की जा रही है किन्तु लगातार बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण पाने की दिशा में सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया है।

मानसिक आरोग्यशाला प्रबंध समिति की बैठक सम्पन्न

वर्ष 2021-22 के लिये 20 करोड़ रूपए से अधिक का बजट अनुमोदित

ग्वालियर। ग्वालियर मानसिक आरोग्यशाला प्रबंध समिति की बैठक संभागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में आरोग्यशाला के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। आरोग्यशाला के लिये वर्ष 2021-22 के 20 करोड़ 5 लाख रूपए के बजट को सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। इसके साथ ही आरोग्यशाला के रिक्त पदों की भर्ती का कार्य दो माह में करने का

भी निर्णय लिया गया। मोतीमहल के मानसभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी, मानसिक आरोग्यशाला के संचालक डॉ. अशोक मिश्रा, अपर आयुक्त नगर निगम श्री मुकुल गुप्ता, संयुक्त संचालक स्वास्थ्य डॉ. ए के दीक्षित, प्रशासनिक अधिकारी मानसिक आरोग्यशाला श्री अनिल सारस्वत सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में तय किया गया कि मर्सी होम में सुधार कार्य के लिये स्वयंसेवी संस्थाओं का सहयोग लिया जाए। इसके साथ ही लाँग स्टे होम के संचालन में भी स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ ही आर्मी के वेलफेयर समूह से भी सहयोग लेकर इसे संचालित किया जाए। बैठक में आरोग्यशाला के विभिन्न पदों की भर्ती के लिये नीति निर्धारण करने हेतु एक कमेटी गठित की गई। एडीएम श्री टी एन सिंह की अध्यक्षता में गठित इस कमेटी में संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा, लेखा अधिकारी मानसिक आरोग्यशाला एवं सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग को रखा गया है। मानसिक आरोग्यशाला में तैयार की जा रही सामग्री के विक्रय हेतु ग्वालियर व्यापार मेले में एक स्टॉल लगाने का निर्णय भी सर्वसम्मति से लिया गया। इसके साथ ही मानसिक आरोग्यशाला में एक ई-रिक्शा जन सहयोग से प्रदाय कराने का भी निर्णय लिया गया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478